हमसे जुड़ें और अपनी प्रतिभा को पहचाने

अधिकारियों की प्रोफाइल हेतु भर्ती

विज्ञापन क्रमांक. एचपीसीएल/ओपीईएन/एचआर/1/2025-26

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की स्थापना 15 जुलाई, 1974 को हुई थी। एचपीसीएल एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है जिसकी 2024-25 के दौरान वार्षिक सकल बिक्री 4,64,247 करोड़ रुपये है।

एचपीसीएल ने वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक का सर्वाधिक बिक्री मात्रा **49.8 एमएमटी** प्राप्त किया और 25.3 मिलियन टन कच्चे तेल की प्रोसेसिंग की, जो अब तक की सर्वाधिक है। इस अवधि में रिफाइनरी क्षमता उपयोग दर 109% रही। इसके साथ ही, एचपीसीएल ने **26.8 एमएमटी** का अब तक का सर्वाधिक पाइपलाइन थ्रूपुट भी हासिल किया। भारत में एचपीसीएल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 20.5% है और यह देश में पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन एवं विपणन में एक सशक्त उपस्थिति रखता है। वर्ष 2024-25 के दौरान एचपीसीएल ने ₹7,365 करोड़ का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ (PAT) दर्ज किया।

एचपीसीएल के पास मुंबई और विशाखापत्तनम में रिफाइनरियाँ हैं, जिनकी स्थापित क्षमताएँ क्रमशः **9.5 एमएमटीपीए** और **15.0 एमएमटीपीए हैं।** एचपीसीएल के पास देश की सबसे बड़ी ल्यूब रिफाइनरी भी है, जो मुंबई में स्थित है और जिसकी क्षमता **428 टीएमटीपीए है**, जहां ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स का उत्पादन किया जाता है। एचपीसीएल की संयुक्त उपक्रम कंपनी एचएमईएल (HMEL) में **48.99%** इक्विटी हिस्सेदारी है, जो पंजाब में 11.3 एमएमटीपीए क्षमता की रिफाइनरी संचालित करती है। इसके अतिरिक्त, एचपीसीएल की एमआरपीएल (MRPL) में **16.96%** इक्विटी हिस्सेदारी है, जो कर्नाटक में **15 एमएमटीपीए** क्षमता की रिफाइनरी संचालित करती है।

एचपीसीएल के पास प्रमुख शहरों में 19 अंचल कार्यालय तथा आपूर्ति और वितरण संरचना के माध्यम से समर्थित किया गया 145 क्षेत्रीय कार्यालयों का एक विशाल विपणन नेटवर्क है जिसमें 43 टर्मिनल/इंस्टॉलेशन/टैप ऑफ पॉइंट, 37 डिपो और 29 एक्सक्लूसिव ल्यूब डिपो, 57 विमानन सेवा स्टेशन, 55 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, 4 ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट, शामिल हैं।एचपीसीएल के ग्राहक संपर्क बिंदुओं में 23,758 रिटेल आउटलेट्स, 1,638 एसकेओ/एलडीओ डीलर, 397 बाज़ार ल्यूब वितरक, 156 औद्योगिक ल्यूब वितरक, रिटेल आउटलेट्स पर 2,048 सीएनजी सुविधाएं, 5,986 ईवी चार्जिंग स्टेशन, 875 डोर-टू-डोर डिलीवरी डिस्पेंसर और 6,381 एलपीजी वितरक शामिल हैं। अप्रैल 2025 तक एचपीसीएल के एलपीजी ग्राहकों की संख्या 9.7 करोड़ से अधिक है।

एचपीसीएल के पास भारत में दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन नेटवर्क है, जिसकी कुल लंबाई 5,134 किलोमीटर है। एचपीसीएल तेल और गैस क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में सक्रिय 20 संयुक्त उद्यम (JV) एवं सहायक कंपनियों (Subsidiaries) के माध्यम से भी अपना व्यापार संचालित करता है।

एचपीसीएल का अनुसंधान एवं विकास केंद्र 'एचपी ग्रीन आरएंडडी सेंटर' के नाम से बेंगलुरु में स्थित है। यह केंद्र परिचालन सुधार के लिए रिफाइनरियों और विपणन एसबीयू को उन्नत तकनीकी सहायता प्रदान करता है, नई तकनीकों को आत्मसात करता है, नवाचार और क्रांतिकारी तकनीकों के विकास, तकनीकी लाइसेंसिंग तथा ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित होने हेतु उन्नत तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

एचपीसीएल पर्यावरणीय संधारणीयता के महत्व से भलीभांति परिचित है, जो हमारे ग्रह के स्वास्थ्य, वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों की भलाई, तथा पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एचपीसीएल द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा आदि क्षेत्रों में अनेक पहलें की गई हैं। एचपीसीएल ने 2040 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जनों में नेट ज़ीरो लक्ष्य प्राप्त करने की योजना भी घोषित की है। कंपनी वित्तीय, सामाजिक और पर्यावरणीय पूंजी के त्रिस्तरीय मूल्यांकन (Triple Bottom Line) ढांचे पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर, व्यापार मूल्यों में समग्र वृद्धि हेतु प्रयासरत है।

एचपीसीएल पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, सुरक्षित कार्यस्थल बनाए रखने तथा अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और समुदाय के जीवन की गुणवत्ता को समृद्ध बनाने के लिए व्यवसाय परिचालन हेतु प्रतिबद्ध है। एचपीसीएल की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) नीतियाँ समाज के समग्र विकास के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। सीएसआर के अंतर्गत प्रमुख ध्यान-केन्द्र बिंदु हैं: बाल देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, खेलकूद, पर्यावरण एवं सामुदायिक विकास, इनक्यूबेटर/अनुसंधान एवं विकास और सार्वजनिक वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में योगदान, तथा वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालना।

एचपीसीएल ऊर्जा क्षेत्र में आकर्षक कैरियर के अवसरों की तलाश कर रहे प्रतिभाशाली और ऊर्जावान उम्मीदवारों को आमंत्रित करता है, जो हमारी विकास यात्रा का हिस्सा बनकर हिन्दुस्तान के ऊर्जा भविष्य में योगदान देने के लिए इच्छुक हैं। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार निम्नलिखित रिक्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

1. महत्वपूर्ण तिथियाँ

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि	1 जून 2025 (सुबह 0900 बजे से)
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **(फ्रेशर्स)**	30 जून 2025 (रात 2359 बजे तक)
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **(अनुभवी)**	15 जुलाई 2025 (रात 2359 बजे तक)

2. फ्रेशर्स के लिए पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण						
क्र. सं.	**पद**	**वेतनमान(रु.)**	**रिक्तियाँ**	**अधिकतम आयु(वर्ष)**	**आवश्यक योग्यताएँ**	**न्यूनतम अनुभव (वर्ष)**
2.1	कार्यकारी सहायक	(30000-120000)	10	25	किसी भी विषय में न्यूनतम 3-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित स्नातक	-
2.2	कनिष्ठ कार्यकारी-सिविल	(30000-120000)	50	25	सिविल इंजीनियरिंग में 3-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित डिप्लोमा	-
2.3	कनिष्ठ कार्यकारी-मैकेनिकल	(30000-120000)	15	25	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 3-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित डिप्लोमा	-
2.4	कनिष्ठ कार्यकारी-गुणवत्ता नियंत्रण	(30000-120000)	19	25	रसायन विज्ञान(बीएससी रसायनशास्त्र) में 3 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित स्नातक	-
2.5	मैकेनिकल इंजीनियर	(50000-160000)	98	25	मैकेनिकल इंजीनियरिंग या संबन्धित शाखाओं में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	-
2.6	इलेक्ट्रिकल इंजीनियर	(50000-160000)	35	25	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या संबन्धित शाखाओं में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	-
2.7	सिविल इंजीनियर	(50000-160000)	16	25	सिविल इंजीनियरिंग या संबन्धित शाखाओं में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	-
2.8	केमिकल इंजीनियर	(50000-160000)	26	25	केमिकल इंजीनियरिंग या संबन्धित शाखाओं में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	-
2.9	चार्टर्ड अकाउंटेंट	(50000-160000)	24	27	भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआइ) से चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की योग्यता तथा आईसीएआई की अनिवार्य आर्टिकलशिप एवं सदस्यता पूर्ण होना। **एवं** किसी भी विषय में न्यूनतम 3-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित स्नातक	-

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण						
क्र. सं.	**पद**	**वेतनमान(रु.)**	**रिक्तियाँ**	**अधिकतम आयु(वर्ष)**	**आवश्यक योग्यताएँ**	**न्यूनतम अनुभव (वर्ष)**
2.10	अधिकारी – मानव संसाधन	(50000-160000)	6	27	मानव संसाधन / कार्मिक प्रबंधन / औद्योगिक संबंध / मनोविज्ञान में 2 वर्षीय पूर्णकालिक, स्नातकोत्तर डिग्री / समकक्ष पाठ्यक्रम अथवा मानव संसाधन / कार्मिक प्रबंधन में विशेषज्ञता सहित व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए)	-
2.11	अधिकारी – औद्योगिक इंजीनियरिंग	(50000-160000)	1	27	औद्योगिक इंजीनियरिंग में 2 वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिग्री **और** मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / इन्स्ट्रूमैनटेशन/ केमिकल/ सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम।	-

1. **अनुभवी पेशेवरों के लिए पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण**

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण						
क्र. सं.	**पद**	**वेतनमान(रु.)**	**रिक्तियाँ**	**अधिकतम आयु(वर्ष)**	**आवश्यक योग्यताएँ**	**न्यूनतम अनुभव (वर्ष)**
3.1	सहायक अधिकारी/ अधिकारी - राजभाषा कार्यान्वयन*	(40000-140000)/ (50000-160000)	2	30/33	हिन्दी में 2 वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर **और** अंग्रेजी विषय के साथ किसी भी विषय में न्यूनतम 3 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित स्नातक डिग्री	3/6
3.2	विधि अधिकारी	(50000-160000)	3	26	स्नातक उपरांत विधि में 3-वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम **या** 12वीं कक्षा के उपरांत विधि में 5 वर्षीय पाठ्यक्रम	1

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण

क्र. सं.	पद	वेतनमान(रु.)	रिक्तियाँ	अधिकतम आयु(वर्ष)	आवश्यक योग्यताएँ	न्यूनतम अनुभव (वर्ष)
3.3	सुरक्षा अधिकारी – उत्तर प्रदेश*	(50000-160000)	2	27	मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंटेशन/केमिकल/सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम **और** औद्योगिक सुरक्षा में डिग्री या डिप्लोमा; उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त **और** हिन्दी भाषा का पर्याप्त ज्ञान	2
3.4	सुरक्षा अधिकारी – तमिलनाडु*	(50000-160000)	3	27	मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंटेशन/केमिकल/सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम **और** औद्योगिक सुरक्षा में डिग्री या डिप्लोमा; तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त **और** तमिल भाषा का पर्याप्त ज्ञान	2
3.5	वरिष्ठ अधिकारी – सिटी गैस वितरण (सीजीडी) परिचालन एवं रखरखाव	(60000-180000)	4	28	मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल/ इंस्ट्रूमेंटेशन/ सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	3
3.6	वरिष्ठ अधिकारी – सिटी गैस वितरण (सीजीडी) परियोजनाएं*	(60000-180000)	6	28		3
3.7	वरिष्ठ अधिकारी – बिक्री* (रिटेल / लुब्स	(60000-180000)	25	29	2-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए या पीजीडीएम (एआईयू के अनुसार एमबीए के समकक्ष)	2

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण

क्र. सं.	पद	वेतनमान(रु.)	रिक्तियाँ	अधिकतम आयु(वर्ष)	आवश्यक योग्यताएँ	न्यूनतम अनुभव (वर्ष)
	/ प्रत्यक्ष बिक्री / एलपीजी)				**और** मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंटेशन/केमिकल/सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	
3.8	वरिष्ठ अधिकारी/ सहायक प्रबंधक – गैर-ईंधन व्यवसाय*	(60000-180000)/ (70000-200000)	6	29/32	2-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए या पीजीडीएम (एआईयू के अनुसार एमबीए के समकक्ष) **और** मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंटेशन/केमिकल/सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	2/5
3.9	मुख्य प्रबंधक / उप महाप्रबंधक – गैर-ईंधन व्यवसाय*	(100000-260000)/ (120000-280000)	2	41/44		14/17
3.10	**पेट्रोकेमिकलल्स**					
3.10.1	प्रबंधक – तकनीकी*	(80000-220000)	3	34	केमिकल/ पॉलीमर/ प्लास्टिक इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम।	9
3.10.2	प्रबंधक- बिक्री* (आर एंड डी उत्पाद व्यावसायीकरण)	(80000-220000)	1	36	**आवश्यक:** मैकेनिकल / सिविल / इंस्ट्रूमेंटेशन / इलेक्ट्रिकल / केमिकल / पॉलीमर / प्लास्टिक में 4-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम **वांछनीय:** 2-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए पाठ्यक्रम	9
3.10.3	उप महाप्रबंधक – केटेलिस्ट व्यवसाय विकास*	(120000-280000)	1	45	**आवश्यक:** केमिकल इंजीनियरिंग में 4-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम	18

पद, पात्रता मानदंड और रिक्तियों का विवरण						
क्र. सं.	पद	वेतनमान(रु.)	रिक्तियाँ	अधिकतम आयु(वर्ष)	आवश्यक योग्यताएँ	न्यूनतम अनुभव (वर्ष)
	(आर एंड डी उत्पाद व्यावसायीकरण)				**वांछनीय:** 2-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए पाठ्यक्रम	
3.10.4	उप महाप्रबंधक- तकनीकी सेवा* (आर एंड डी उत्पाद व्यावसायीकरण)	(120000-280000)	1	45	**अनिवार्य:** केमिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम। **वांछनीय:** 2 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए पाठ्यक्रम	18
3.10.5	उप महाप्रबंधक – पॉलीमर विशेषज्ञ प्रमुख*	(120000-280000)	1	45	बिक्री / विपणन / परिचालन / आपूर्ति श्रृंखला में 2 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए पाठ्यक्रम **और** किसी भी विषय में न्यूनतम 3-वर्षीय पूर्णकालिक नियमित स्नातक	18
3.10.6	महाप्रबंधक- व्यवसाय विकास प्रमुख*	(120000-280000)	1	48	**अनिवार्य:** मैकेनिकल / सिविल/ इन्स्ट्रूमैनटेशन/ इलेक्ट्रिकल/ केमिकल/ पॉलीमर/ प्लास्टिक इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम। **वांछनीय:** 2 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित एमबीए पाठ्यक्रम	21
3.11	वरिष्ठ प्रबंधक/मुख्य प्रबंधक - कंपनी सचिव	(90000-240000)/ (100000-260000)	1	39/42	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक* के साथ भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) की एसोसिएट/फेलो सदस्यता। चार्टर्ड अकाउंटेंसी/कॉस्ट अकाउंटेंसी/लॉ जैसी अतिरिक्त योग्यता एक अतिरिक्त लाभ होगी।	12/15

निश्चित अवधि अनुबंध (एफटीसी) #						
क्र. सं.	पद	रिक्तियां	वार्षिक समेकित राशि (रु.)	अधिकतम आयु (वर्ष)	अनिवार्य योग्यताएं	न्यूनतम अनुभव (वर्ष)
1	सूचना प्रणाली अधिकारी	10	15 लाख प्रति वर्ष	29	कंप्यूटर विज्ञान/ सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग के साथ बी.टेक. में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम **या** कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)/ डेटा विज्ञान में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर	2
2	सूचना प्रणाली सुरक्षा अधिकारी-साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ	1	36 लाख प्रति वर्ष	45	**आवश्यक :** कंप्यूटर विज्ञान/ सूचना प्रौद्योगिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग/सूचना सुरक्षा में 4 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग डिग्री पाठ्यक्रम **या** कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर (एमसीए) **वांछनीय**: कंप्यूटर विज्ञान और सूचना सुरक्षा / सूचना सुरक्षा / साइबर सुरक्षा में 2 वर्षीय पूर्णकालिक नियमित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम।सीईएच, सीआईएसएसपी या जीआईएससी	12

					प्रमाणपत्र जैसे प्रासंगिक प्रमाणपत्र वांछनीय हैं	
3	विधि अधिकारी-मानव संसाधन	2	15 लाख प्रति वर्ष	27	स्नातक के उपरांत विधि में 3-वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम **या** 12वीं कक्षा के उपरांत विधि में 5-वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम	2

टिप्पणी: एफ़टीसी पर नियुक्ति की अवधि प्रारंभ में 3 वर्षों के लिए होगी, जिसे संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त 2 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है।

कृपया नीचे दिए गए तालिका में संबंधित अनुभव के पूर्ण वर्षों के अनुसार अधिकतम अनुमेय आयु की जानकारी देखें।

पद	वेतनमान (रु)	संबंधित अनुभव के पूर्ण वर्षों की संख्या	अधिकतम स्वीकार्य आयु (वर्ष)
सहायक अधिकारी - राजभाषा कार्यान्वयन	40000-140000	3	30
		4	31
		≥5	32
अधिकारी – राजभाषा कार्यान्वयन	50000-160000	6	33
		7	34
		≥8	35
विधि अधिकारी	50000-160000	1	26
		2	27
		≥3	28
सुरक्षा अधिकारी – उत्तर प्रदेश/ तमिलनाडु	50000-160000	2	27
		3	28
		≥4	29
वरिष्ठ अधिकारी – सीजीडी परिचालन एवं रखरखाव/परियोजना	60000-180000	3	28
		4	29

		≥5	30
वरिष्ठ अधिकारी – गैर-ईंधन व्यवसाय / बिक्री	60000-180000	2	29
		3	30
		≥4	31
सहायक प्रबंधक – गैर-ईंधन व्यवसाय	70000-200000	5	32
		6	33
		≥7	34
प्रबंधक – तकनीकी	(80000-220000)	9	34
		10	35
		≥11	36
प्रबंधक – बिक्री (अनुसंधान एवं विकास उत्पाद वाणिज्यिक)	(80000-220000)	9	36
		10	37
		≥11	38
मुख्य प्रबंधक – गैर-ईंधन व्यवसाय	100000-260000	14	41
		15	42
		≥16	43
उप महाप्रबंधक – गैर-ईंधन व्यवसाय	120000-280000	17	44
		18	45
		≥19	46
उप महाप्रबंधक – कैटलिस्ट व्यवसाय विकास / तकनीकी सेवा / पॉलीमर विशेषज्ञ प्रमुख	120000-280000	18	45
		19	46
		≥20	47
महाप्रबंधक – व्यावसायिक विशेषज्ञ प्रमुख	120000-280000	21	48
		22	49
		≥23	50
वरिष्ठ प्रबंधक - कंपनी सचिव	90000-240000	39	12
		40	13
		≥41	14
मुख्य प्रबंधक - कंपनी सचिव	100000-260000	42	15

		43	16
		≥44	17

कृपया नीचे दिए गए तालिका में संबंधित अनुभव के पूर्ण वर्षों के अनुसार अधिकतम अनुमेय आयु की जानकारी देखें।

पद	वार्षिक समेकित राशि (रु./वर्ष)	संबंधित अनुभव के पूर्ण वर्षों की संख्या (वर्षों में)	अधिकतम स्वीकार्य आयु (वर्ष)
सूचना प्रणाली अधिकारी (एफटीसी)	15 लाख प्रति वर्ष	2	29
		3	30
		≥4	31
सूचना प्रणाली सुरक्षा अधिकारी- साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ (एफटीसी)	36 लाख प्रति वर्ष	12	45
		13	46
		≥14	47
विधि अधिकारी-मानव संसाधन (एफटीसी)	15 लाख प्रति वर्ष	2	27
		3	28
		≥4	29

<u>टिप्पणी:</u>

यदि किसी आवेदक का संबंधित कार्य अनुभव (पूर्ण वर्ष) न्यूनतम निर्धारित अनुभव से अधिक है, तो ऐसे आवेदकों को अधिकतम 2 वर्षों तक की आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन करने के लिए पात्र प्रासंगिक इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी विषयों की सूची के लिए नीचे दी गई तालिका देखें।

इंजीनियरिंग कार्य	
मुख्य विषय	**डिग्री प्रमाण-पत्र पर उल्लिखित पात्र डिग्री**
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मैकेनिकल इंजीनियरिंग मैकेनिकल और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग मैन्युफैक्चरिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग (उत्पादन) एकीकृत/दोहरी डिग्री के साथ • मैकेनिकल इंजीनियरिंग • सामग्री विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग

	• मैकेनिकल सिस्टम डिजाइन में विशेषज्ञता के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग • विनिर्माण और औद्योगिक इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग(पावर सिस्टम) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल एवं पावर इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर) इलेक्ट्रिकल इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल पावर इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर इंजीनियरिंग एकीकृत/दोहरी डिग्री के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग	इंस्ट्रूमेंटेशन प्रौद्योगिकी इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग इंस्ट्रूमेंटेशन प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स (इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल) इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और कंट्रोल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स संचार और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में एकीकृत/दोहरी डिग्री
सिविल इंजीनियरिंग	सिविल इंजीनियरिंग सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग सिविल इंजीनियरिंग (पर्यावरण इंजीनियरिंग) सिविल इंजीनियरिंग और योजना सिविल इंजीनियरिंग पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण

	सिविल और जल प्रबंधन इंजीनियरिंग कंप्यूटर एप्लीकेशन के साथ सिविल इंजीनियरिंग सिविल इंजीनियरिंग (निर्माण प्रौद्योगिकी) सिविल पर्यावरण इंजीनियरिंग सिविल प्रौद्योगिकी एकीकृत/दोहरी डिग्री • सिविल इंजीनियरिंग • स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सिविल इंजीनियरिंग • पर्यावरण इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सिविल इंजीनियरिंग • परिवहन इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सिविल इंजीनियरिंग
केमिकल इंजीनियरिंग	केमिकल इंजीनियरिंग केमिकल प्रौद्योगिकी केमिकल इंजीनियरिंग में एकीकृत/दोहरी डिग्री
औद्योगिक इंजीनियरिंग	औद्योगिक इंजीनियरिंग औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग औद्योगिक इंजीनियरिंग और प्रबंधन औद्योगिक उत्पादन इंजीनियरिंग

डिप्लोमा इंजीनियरिंग कार्य	
कोर डिप्लोमा विषय	**डिप्लोमा प्रमाण पत्र पर उल्लिखित योग्यता डिग्री**
मैकेनिकल	डिप्लोमा- मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा- मैकेनिकल इंजीनियरिंग (विशेषज्ञता)
सिविल	डिप्लोमा- सिविल इंजीनियरिंग डिप्लोमा- सिविल इंजीनियरिंग (विशेषज्ञता)

योग्यता डिग्री/ डिप्लोमा के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक	
चार्टर्ड एकाउंटेंट	ग्रुप - I और ग्रुप - II सहित सीए फाइनल परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक
अन्य सभी पद	यूआर/ओबीसीएनसी/ईडब्ल्यूएस के लिए न्यूनतम 65% अंक और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए 55% अंक

4. फ्रेशर्स के लिए जॉब प्रोफाइल

पद	कार्य अनुभव
कार्यकारी सहायक	**नीचे दिए गए व्यापक कार्य दायित्व केवल संकेतात्मक प्रकृति के हैं:** • गोपनीयता बनाए रखना और सूचनाओं का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करना। • सशक्त समस्या समाधान कौशल होना तथा बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार स्वयं को अनुकूलित करने की क्षमता। • ईमेल, लंबित उत्तरों, वर्तमान कार्यों एवं बैठक की तैयारी से संबंधित दस्तावेज़ों का एक सक्रिय दैनिक ट्रैकर बनाए रखना। • कैलेंडर, शेड्यूलिंग मीटिंग्स और अपॉइंटमेंट्स प्रबंधित करना • मीटिंग्स के लिए दस्तावेज़, रिपोर्ट्स और प्रस्तुतियाँ तैयार और व्यवस्थित करें. प्रारूप/डेटा सटीकता के लिए प्रबंधक के अनुमोदन के लिए तैयार प्रस्तावों की समीक्षा करें। • उत्कृष्ट टेलीफोन कौशल – आने वाले फोन कॉल्स को उत्तर देना, स्क्रीन करना, अग्रेषित करना तथा व्यक्तिगत रूप से या फोन के माध्यम से मूलभूत एवं सटीक जानकारी प्रदान करना। • आंतरिक / बाहरी हितधारकों के बीच संपर्क के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करना और आंतरिक और बाहरी हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना। • अनुसंधान करें और समर्थन के लिए जानकारी एकत्र करें • निर्णय लेना • असाधारण संगठनात्मक और समय प्रबंधन कौशल। • अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह की यात्रा और आवास व्यवस्थाओं का समन्वय करना। विस्तृत यात्रा योजना, यात्रा कार्यक्रम और एजेंडा की व्यवस्था करना; और यात्रा संबंधी बैठकों के लिए दस्तावेज़ संकलित करना। • अतिथि/आगंतुकों के प्रबंधन में उत्कृष्ट तथा कर्मचारियों और आगंतुकों दोनों के लिए स्वागत योग्य वातावरण बनाने में कुशल। • फाइलिंग सिस्टम को बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि महत्वपूर्ण दस्तावेज (सॉफ्ट कॉपी) व्यवस्थित और सुलभ हों। एमआईएस को बनाए रखें और दस्तावेज़ीकरण और रिकॉर्ड में सहायता प्रदान करें। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ
कनिष्ठ कार्यकारी – सिविल	**डिप्लोमा इंजीनियर्स से अपेक्षित व्यापक कार्य द्वायित्व नीचे दी गई है, जो प्रकृति में सांकेतिक हैं:** **परियोजना क्रियान्वयन एवं बुनियादी ढांचे का विकास** • साइट की तैयारी, ठेकेदार समन्वय और अनुपालन सहित नए रिटेल आउटलेटों की स्थापना का प्रबंधन करना। • मौजूदा आउटलेट्स के लिए आधुनिकीकरण और सुविधा वृद्धि परियोजनाओं का प्रबंधन करना।

	• सिविल से संबंधित इंटरफेस मुद्दों को हल करने के लिए इलेक्ट्रिकल और स्वचालन टीमों के साथ समन्वय करना। • चालू परियोजनाओं के निरीक्षण और निगरानी के लिए क्षेत्र का दौरा करना। **रखरखाव और परीचालन** • आउटलेट्स के रखरखाव और मरम्मत कार्य की देखरेख करना। • ट्रैकिंग और समस्या समाधान के लिए रिटेल आउटलेट रखरखाव प्रबंधन प्रणाली (ROMMS) का परिचालन करना। • वाष्प पुनर्प्राप्ति प्रणाली (वीआरएस) की स्थापना और रखरखाव का कार्य संभालना। **एसएपी एवं खरीद प्रबंधन** • एसएपी (पीएस/पीएम/एमएम मॉड्यूल) का उपयोग करके परियोजना और परिसंपत्ति से संबंधित कार्य निष्पादित करना। • पीआर/पीओ निर्माण, सेवा प्रविष्टियाँ और विक्रेता समन्वय सहित खरीद गतिविधियों का प्रबंधन करना। • बैंक गारंटी, स्टील प्लेट/टैंक निर्माण और एसएपी में समाधान का कार्य संभालना। **आईटी, ऑटोमेशन और निगरानी** • नेटवर्क विश्वसनीयता के लिए आउटलेट स्वचालन प्रणाली और SD-WAN बुनियादी ढांचे का प्रबंधन करें। • डिवाइस के चालू रहने की अवधि और प्रदर्शन के लिए CRIS प्रणाली की निगरानी करें। **वित्त, परिसंपत्ति और बजट नियंत्रण** • मासिक व्यय बजट (एमईबी) तैयार करना और उसकी निगरानी करना। • पूंजीकरण, निपटान (ई-आरएफडी के माध्यम से) और ट्रैकिंग सहित एसएपी में परिसंपत्ति जीवनचक्र का प्रबंधन करना। • वीआईटी के माध्यम से वेंडर भुगतान की प्रक्रिया और सामग्री आवागमन के लिए ई-वे बिल का प्रबंधन। **अनुपालन, लेखा परीक्षा और ईंधन परीचालन** • आंतरिक ऑडिट, इलेक्ट्रिकल सुरक्षा ऑडिट और क्यूए अनुपालन गतिविधियों का समन्वय करना। • सीएनजी और ऑटो एलपीजी ईंधन बुनियादी ढांचे की स्थापना और रखरखाव की देखरेख करना।

	समन्वय और रिपोर्टिंग • परियोजना समन्वय और अनुमोदन के लिए कॉर्पोरेट सहयोग पोर्टल का उपयोग करें। • परियोजना ट्रैकिंग और प्रबंधन समीक्षा के लिए रिपोर्ट, डैशबोर्ड और एमआईएस तैयार करें।
कनिष्ठ कार्यकारी – मैकेनिकल	**डिप्लोमा इंजीनियर्स से अपेक्षित व्यापक कार्य दायित्व नीचे दी गई है, जो सांकेतिक प्रकृति की है:** **अ) कनिष्ठ कार्यकारी – मैकेनिकल** • स्वीकृत डिस्पैच योजना एवं समय-सारिणी के अनुसार तैयार उत्पादों का सीधे ग्राहकों को प्रेषण सुनिश्चित करना। • उत्पादों की सटीकता एवं समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उत्पादन, गुणवत्ता तथा लॉजिस्टिक्स टीमों के साथ समन्वय स्थापित करना। • लोडिंग/अनलोडिंग परिचालन का प्रबंधन करना तथा माल को क्षति से बचाने के लिए सावधानीपूर्वक हैंडलिंग सुनिश्चित करना। • इन्वेंटरी, डिस्पैच, रसीदों एवं शिपमेंट से संबंधित उचित दस्तावेज़ और अभिलेख बनाए रखना तथा कमी से बचने के लिए आवश्यकतानुसार मांग पत्र (requisition) जारी करना। • गोदाम में उचित भंडारण परिस्थितियों का पालन करना तथा सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना। • इन्वेंट्री की सटीकता बनाए रखने हेतु नियमित स्टॉक मिलान (reconciliation) करना। **लॉजिस्टिक परिचालन** • ऑर्डर योजना के अनुसार ट्रकों की तैनाती के लिए ट्रांसपोर्टरों के साथ समन्वय • वाहन की गैर-प्लेसमेंट, क्लबिंग ऑर्डर और लंबित ऑर्डर के लिए ट्रांसपोर्टर समस्या का प्रबंधन करना। • मुख्यालय परिचालन **लॉजिस्टिक** के साथ समन्वय और निष्पादित किए जाने वाले दैनिक ऑर्डर पर नज़र रखना • इन्वेंट्री के प्रबंधन के लिए ओ एंड एम ठेकेदार का समन्वय और परिचालन • वाहनों की समय पर तैनाती के लिए ट्रक पार्किंग टर्मिनल के साथ समन्वय • ट्रांसपोर्टर प्रदर्शन, बीमा मामले और गैर-तकनीकी शिकायतों का एमआईएस ऑर्डर बनाए रखना **इन्वाइस बनाना** • इनवॉइस टीम की गतिविधियों का परिचालन करना, जैसे इनवॉइस जनरेशन, ई-वे बिल, एलआर कॉपी, सीओए तैयार करना। • इनवॉइस के अनुरूप ऑर्डर का सत्यापन करना।

	• ऑर्डर से संबंधित सभी आंतरिक दस्तावेज़ों का सत्यापन करना, जैसे वजन दस्तावेज़ (टैरे वज़न एवं सकल वज़न)। • किसी भी भिन्नता को संभालने हेतु लोडिंग एवं सुरक्षा टीम के साथ समन्वय स्थापित करना। **(अथवा)** **बी) कनिष्ठ कार्यकारी -मैकेनिकल** • हर समय उत्पाद की उपलब्धता और सुचारू ईंधन परिचालन सुनिश्चित करना। • उपकरणों की कार्यक्षमता बनाए रखें (डीयू, ईडीसी मशीनें, भुगतान समाधान)। • जनशक्ति (मेनपावर) तैनाती की निगरानी करना और समय पर वेतन वितरण सुनिश्चित करना। • बिक्री समाधान और विक्रेता भुगतान की देखरेख करना। • गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करना। • सुरक्षा, हाउसकीपिंग और आउटलेट रखरखाव को निरंतर बनाए रखें। • वैधानिक अनुपालन और उचित रिकॉर्ड रखना सुनिश्चित करें। • निर्धारित सीमाओं के अंतर्गत क्रय प्रक्रिया का परिचालन करना एवं अनुमोदनों के लिए समन्वय करना। • कैम्पेनों एवं सीएनजी कमीशनिंग में सहयोग प्रदान करना। • एफएसएम/कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना और एआरबी परिचालनों को सहयोग देना, आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कार्यभार संभालना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधि
कनिष्ठ कार्यकारी – गुणवत्ता नियंत्रण	**नीचे दिए गए व्यापक कार्य दायित्व केवल संकेतात्मक प्रकृति के हैं:** • परीक्षण हेतु एडिटिव्स, बेस ऑयल, प्रक्रियाधीन नमूने, तैयार उत्पाद के नमूने, निविदा नमूने एवं आउटसोर्स किए गए उत्पादों की प्राप्ति। • समय-सीमा के भीतर लागू परीक्षण विधि के अनुसार नमूने का परीक्षण करना और SAP में परीक्षण परिणामों को अद्यतन करना (परीक्षण रिपोर्ट दर्ज करना और बनाना) • ग्राहकों को रिपोर्ट संप्रेषित करना – आंतरिक / बाह्य • परीक्षण किए गए नमूनों को पूर्व-निर्धारित समय-सीमा तक सुरक्षित रखना तथा प्रतिधारण अवधि पूरी होने के बाद नमूनों का निपटान करना तथा निपटान का रिकॉर्ड रखना। • लोकेशनों पर धीमी गति से चलने वाले/न चलने वाले उत्पादों के परिसमापन के लिए तकनीकी सहायता • प्रयोगशाला उपकरणों की नियमित जांच और रखरखाव के साथ-साथ समय-सीमा के भीतर एएमसी की योजना और क्रियान्वयन • समयसीमा के अनुसार एनएबीएल पुनः प्रमाणन सुनिश्चित करें

	• तकनीकी प्रगति के अनुसार प्रयोगशाला उपकरणों के उन्नयन और नए उत्पादों के परीक्षण के लिए एनपीसीबी प्रस्ताव विकसित करना • एमईबी प्रस्तावों के लिए संबंधित लेखांकन कोडों में व्यय की मासिक निगरानी • नियमित प्रक्रिया सुधार के लिए सुविधाओं, परीक्षण विधियों, उपकरणों का उन्नयन • नमूना परीक्षण और सीआरएम बिक्री द्वारा ग्राहकों से राजस्व अर्जित करना। • एसओपी के अनुसार लैब में सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करना • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ
इंजीनियर (मैकेनिकल / सिविल / इलेक्ट्रिकल / केमिकल)	**इंजीनियरों को परिचालन/बिक्री/इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएं/रिटेल आउटलेट उन्नयन/परिचालन एवं वितरण/रिफाइनरी आदि में से किसी भी प्रोफाइल में तैनात किया जा सकता है। नीचे दी गई व्यापक कार्य भूमिका अपेक्षाएं प्रकृति में सांकेतिक हैं:** • पंपिंग, बूस्टर और रिसीविंग स्टेशनों पर पाइपलाइन सिस्टम का परिचालन और रखरखाव करना। सुचारू पंपिंग परिचालन सुनिश्चित करना, सुरक्षा मानकों को लागू करें और उपयोग के अधिकार (आरओयू) अनुपालन का प्रबंधन करना • क्षेत्र और क्षेत्रीय कार्यालयों में रिटेल, एलपीजी, ल्युब और ईंधन की बिक्री को बढ़ावा देना • उत्पाद के प्रदर्शन और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने हेतु औद्योगिक एवं उपभोक्ता ग्राहकों को तकनीकी सेवाएं प्रदान करना। • एलपीजी संयंत्र निर्माण और संवर्धन, पाइपलाइन बुनियादी ढांचे और टर्मिनल और डिपो उन्नयन से जुड़ी परियोजनाओं की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना • कंपनी ब्रांडिंग, ग्राहक अनुभव लक्ष्यों और परिचालन दक्षता मानकों के साथ संरेखित करने के लिए रिटेल आउटलेटों के निर्माण और आधुनिकीकरण का प्रबंधन करना • प्रतिदिन के परिचालन की निगरानी करना, जिसमें गैंट्री परिचालन, टर्मिनल स्वचालन एवं लॉजिस्टिक्स योजना शामिल हैं। डिपो एवं टर्मिनलों से वितरण चैनलों के सुचारु एवं दक्ष परिचालन को सुनिश्चित करना। • सुरक्षित और अनुपालनकारी कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी परिचालन स्थानों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल और एचएसई मानकों को लागू करना और उनकी निगरानी करना। • प्रक्रिया, रखरखाव और परियोजना कार्यान्वयन में तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से मुंबई और विशाख कार्यस्थलों पर रिफाइनरी परिचालन का सहयोग करना। • डाउनटाइम को कम करने और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए पाइपलाइन, टर्मिनल, डिपो और रिफाइनरी परिचालन में उपकरणों और सुविधाओं के लिए निवारक और सुधारात्मक रखरखाव का परिचालन करना • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ

चार्टर्ड अकाउंटेंट	**नीचे दिए गए व्यापक कार्य दायित्व केवल संकेतात्मक प्रकृति के हैं:** • लागू आईएनडीएएस के अनुसार निगम के वित्तीय विवरण तैयार करना • निगम का नकदी प्रवाह प्रबंधन • कर-निर्धारण सहित विनियामक अनुपालनों को सुनिश्चित करना • जीएसटी अनुपालन • वित्तीय डेटा की व्याख्या • प्रबंधन को वित्तीय जानकारी की रिपोर्टिंग • प्रभावी कॉर्पोरेट प्रशासन सुनिश्चित करना • परियोजना मूल्यांकन और निगरानी • क्रेडिट प्रबंधन और प्राप्य प्रबंधन • फंड एवं बजट प्रबंधन आदि • व्यवसाय के वाणिज्यिक पहलू • भुगतान/वेतन प्रबंधन का परिचालन करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ
अधिकारी – मानव संसाधन	**नीचे दिए गए व्यापक कार्य दायित्व केवल संकेतात्मक प्रकृति के हैं:** • भर्ती और नियुक्ति: नियुक्ति की आवश्यकताओं की पहचान करना, नौकरी की पोस्टिंग बनाना, आवेदनों की जांच करना और साक्षात्कार आयोजित करना • ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण: ऑनबोर्डिंग कार्यक्रमों को लागू करना, प्रशिक्षण सामग्री बनाना और नए कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना • वेतन प्रबंधन: यह सुनिश्चित करना कि कर्मचारियों को सही ढंग से और समय पर भुगतान किया जाए • कर्मचारी संबंध: कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान, विवादों में मध्यस्थता, तथा सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना • अनुपालन: रोजगार कानूनों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना, सटीक कार्मिक रिकॉर्ड बनाए रखना, और कर्मचारियों और प्रबंधन को सहायता प्रदान करना • लाभ प्रशासन: कर्मचारी लाभों का प्रशासन, जैसे स्वास्थ्य बीमा और आवास भत्ते • निष्पादन प्रबंधन: निष्पादन प्रबंधन और कर्मचारी मूल्यांकन में सहायता करना • मानव संसाधन प्रशासन: कर्मचारी रिकॉर्ड बनाए रखना, डेटाबेस अपडेट करना और मानव संसाधन से संबंधित रिपोर्ट तैयार करना

	• पॉलिसी विकास: मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं का निर्माण और कार्यान्वयन • कर्मचारी सहभागिता: कर्मचारी सहभागिता पहलों और गतिविधियों को बढ़ावा देना • एचआरबीपी भूमिका • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ
अधिकारी - औद्योगिक इंजीनियरिंग	**नीचे दी गई व्यापक नौकरी भूमिका अपेक्षाएँ प्रकृति में सांकेतिक हैं:** • स्थानों/संयंत्र पर आईई अध्ययन का परिचालन, प्रक्रिया सुधार की पहचान और विभाग प्रमुख के साथ टिप्पणियों पर चर्चा • बेंचमार्क या अन्य तेल विपणन कंपनियों के साथ तुलना • जनशक्ति मूल्यांकन के अनुरूप जनशक्ति के लिए प्रक्रिया अनुमोदन नोट और अनुमोदन के बारे में सभी हितधारकों को सूचित करना • कार्यनीतिक कार्यबल योजना के लिए दिए गए वित्तीय वर्ष में उनकी आवश्यकता प्राप्त करने के लिए एसबीयू के साथ समन्वय करना • अनुमोदित और वास्तविक जनशक्ति का विश्लेषण करना • भर्ती के निष्पादन के लिए भर्ती विभाग के साथ सम्प्रेषण करना • अन्य पीएसयू और उद्योग में अवधारणाओं और वर्तमान प्रथाओं की समीक्षा करना • पद आईडी के लिए पद मास्टर में निर्माण / अद्यतन और पद मास्टर में तदुपरान्त निर्माण / अद्यतन के लिए प्रक्रिया अनुरोध करना • पद मास्टर में किसी परिवर्तन के उपरांत अनुमोदित पदों की जाँच करना • विभागीय गतिविधियों के लिए मासिक एमआईएस रिपोर्ट तैयार करना • मानव संसाधन और व्यावसायिक मापदंडों से संबंधित डेटा पर डेटा विश्लेषण करना • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपी गई कोई अन्य गतिविधियाँ

5. अनुभवी पेशेवरों के लिए कार्य अनुभव की आवश्यकता और नौकरी प्रोफाइल

नोट: जिन पदों के लिए अनुभव अनिवार्य है, उनके लिए कार्यानुभव की गणना केवल योग्यता प्राप्त डिग्री पूर्ण होने के पश्चात् ही की जाएगी।

पद	कार्य अनुभव
सहायक अधिकारी / अधिकारी – राजभाषा कार्यान्वयन	**अनुभव:** **राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित पदों पर न्यूनतम 3/6 वर्षों का अनुभव आवश्यक।** **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** • राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना। • राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, वार्षिक कार्यक्रम तथा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना। • सूचना प्रौद्योगिकी के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना। • विभागीय विषयों/कार्यों से संबंधित लेख/जानकारी पत्रिकाओं में प्रकाशित कर हिंदी भाषा की क्षमता एवं बहुपरता को प्रदर्शित करना। • विभागों, एसबीयू/वार्षिक प्रतिवेदन आदि के लिए आवश्यकतानुसार अनुवाद कार्य संपन्न करना। • विभिन्न प्रतिवेदनों, प्रेस विज्ञप्तियों आदि को राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुसार द्विभाषी रूप में जारी करना सुनिश्चित करना। • टॉलिक, मंत्रालय, संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण दौरा, अन्य सार्वजनिक उपक्रमों आदि से समन्वय करना। • प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें/हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन करना। • संबन्धित कार्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा गृह मंत्रालय की पोर्टल पर तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्ट अपलोड करना सुनिश्चित करना। • कॉर्पोरेशन के विभिन्न विभागों/कार्यस्थलों से प्राप्त तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा करना तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभागाध्यक्षों को अनुस्मारक पत्र जारी करना। • राजभाषा कार्यान्वयन की वार्षिक एवं मध्यावधि समीक्षा करना। • अन्य विभागों की बैठकों/गतिविधियों में सहभागिता करना। • निरीक्षण हेतु आवश्यक दस्तावेजों का समुचित अभिलेख रखना। • नियमित रूप से अधीनस्थ कार्यालयों एवं विभागों का राजभाषा निरीक्षण करना।

विधि अधिकारी	**अनुभव:** अभ्यर्थी के पास प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता के रूप में अथवा किसी प्रतिष्ठित विधि फर्म या कंपनी के विधि विभाग में कार्य करने का न्यूनतम एक वर्ष का प्रासंगिक अनुभव होना चाहिए। • किसी कंपनी में प्रासंगिक कार्य अनुभव की गणना एल.एल.बी. की योग्यता प्राप्त करने के पश्चात की जाएगी; वहीं अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस अथवा विधि फर्म में कार्य का अनुभव बार काउंसिल ऑफ इंडिया में नामांकन के बाद ही मान्य होगा। अनुभव अधिमानतः अनुबंधों की व्याख्या पर सलाह देना, विधिक रणनीति तैयार करना, वाद-विवाद, मध्यस्थता व सुलह से संबंधित मामलों का परिचालन, अनुबंधों/समझौतों का मसौदा तैयार करना, न्यायालय/मध्यस्थ/सुलहकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु अभियाचन तैयार करना, वकीलों को विवरण देना आदि से संबंधित होना चाहिए। प्रासंगिक अनुभव में संविधान, प्रक्रिया संबंधी विधियों, पेट्रोलियम विधि, साक्ष्य अधिनियम, भारतीय अनुबंध अधिनियम, माल विक्रय अधिनियम, विशिष्ट राहत अधिनियम, संपत्ति अंतरण अधिनियम, बौद्धिक संपदा अधिनियम, मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, पर्यावरण कानून, दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), प्रतिस्पर्धा अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम आदि जैसे आर्थिक एवं वाणिज्यिक विधियों का पर्याप्त ज्ञान सम्मिलित होना चाहिए। • अभ्यर्थी को हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में उत्कृष्ट लेखन/मौखिक अभिव्यक्ति कौशल प्राप्त होना चाहिए। संविधान के अनुसार अनुसूचित किसी एक या अधिक भाषाओं (हिंदी एवं अंग्रेज़ी के अतिरिक्त) को पढ़ने और लिखने में दक्षता को वरीयता दी जाएगी। • इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थी को कंप्यूटर के उपयोग में दक्ष होना चाहिए तथा एमएस-वर्ड एवं पावरपॉइंट का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है। **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** अभियाचन, अनुबंध, विभिन्न विलेख एवं दस्तावेजों का मसौदा तैयार करना एवं अंतिम रूप देना तथा सभी विधिक मामलों में गुणवत्ता संवर्धन करना। वाद दायर करने एवं उनका प्रतिरक्षण करने हेतु रणनीति विकसित करना। सशक्त विधिक परामर्श/मत प्रदान करना एवं त्वरित उत्तर देना। अधिवक्ताओं को ब्रीफ करना एवं न्यायालयीन कार्यवाही में भाग लेना। यह सुनिश्चित करना कि सभी मामलें समय-सीमा के भीतर दायर/प्रतिरक्षित हों तथा सभी दस्तावेज एवं अभियाचन समय पर प्रस्तुत किए जाएँ। विषयगत दक्षता में सुधार करना एवं ज्ञान साझा करना। विधिक विषयों में नवीन प्रवृत्तियों से अद्यतन रहना।

	मध्यस्थता/सुलह के मामलों को संभालना, शीर्षक दस्तावेजों का सत्यापन करना, समीक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। नोट: अभ्यर्थियों को उस संगठन से अनुभव प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा, जहाँ वे वर्तमान में कार्यरत हैं या पूर्व में कार्यरत थे। प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के लिए यह प्रमाणपत्र राज्य बार काउंसिल/वरिष्ठ अधिवक्ता/विधि फर्म द्वारा जारी होना चाहिए तथा इसके साथ बार काउंसिल में नामांकन प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न होना अनिवार्य है। केवल पूर्णकालिक कार्य अनुभव को ही मान्यता दी जाएगी जिसकी गणना बार काउंसिल में पंजीकरण तिथि और/या नियुक्ति तिथि (जो भी लागू हो) से की जाएगी। एल.एल.बी./एल.एल.एम. पाठ्यक्रम (या किसी अन्य पूर्णकालिक अध्ययन) के दौरान की गई इंटर्नशिप को अनुभव नहीं माना जाएगा।
सुरक्षा अधिकारी – उत्तर प्रदेश / तमिलनाडु	**अनुभव:** किसी फैक्ट्री में पर्यवेक्षकीय पद पर न्यूनतम 2 वर्षों का व्यावहारिक कार्यानुभव आवश्यक। **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** • फायर प्रॉक्सिमिटी सूट, निम्न तापमान सूट एवं दस्ताने आदि जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की पर्याप्त भंडारण, अनुरक्षण एवं उपयोग सुनिश्चित करना। • संयंत्र, सुरक्षा उपकरणों, अग्निशमन प्रणाली एवं इंजन, ट्रिपिंग एवं इंटरलॉक्स का निरीक्षण करना। • सुरक्षा राहत वाल्व (एसआरवी), थर्मल राहत वाल्व (टीआरवी), एलपीजी होसेस, हाइड्रेंट होज़, अग्निशामक यंत्र, स्प्रिंकलर परीक्षण, दबाव एवं तापमान माप यंत्र, आपातकालीन शटडाउन प्रणाली (ईएसडी) एवं मैनुअल कॉल प्वाइंट (एमसीपी), कैरोसेल इंटरलॉक्स, अग्निशमन इंजन परीक्षण आदि की समयबद्ध अंशांकन एवं परीक्षण सुनिश्चित करना। • आगजनी अभ्यास (मासिक, ऑनसाइट/ऑफसाइट, तथा निष्क्रिय पाली), बम धमकी अभ्यास एवं ईआरडीएमपी परिदृश्यों के अनुसार अन्य अभ्यास आयोजित करना। • ओआईएसडी, एमडीएसए, एसएसए, ईएसए, विद्युत ऑडिट, ईआरडीएमपी प्रमाणन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर ऑडिट के लिए बाह्य ऑडिटर्स से समन्वय करना। • विभिन्न वैधानिक मानदंडों के अनुसार अधिसूचनाओं का प्रदर्शन– न्यूनतम वेतन, ग्रेच्युटी अधिनियम, पीसीबी सहमति शर्तें आदि सुनिश्चित करना • पेसो, फैक्ट्री अधिनियम, श्रम कानून, पीसीबी, वीएचएफ आदि के तहत लाइसेंस के आवेदन एवं

	नवीकरण का समयबद्ध निष्पादन ताकि संयंत्र में संशोधनों के अनुसार लाइसेंस अद्यतन रह सकें तथा स्वीकृति शर्तों का अनुपालन हो सके। • सुरक्षा एमआईएस, घटनाओं एवं निकट चूक रिपोर्ट, एचएसई सूचकांक, ऑडिट अनुपालन, अपवाद रिपोर्ट आदि का विश्लेषण कर क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को रिपोर्ट करना। • फायर इंजनों, पेजिंग प्रणाली, जीएमएस, डीएफएमडी, अग्निशमन यंत्रों की सर्विसिंग, अग्निशमन पैनलों, अग्निशमन अनुरक्षण हेतु वार्षिक अनुबंध (एएमसी) का समयबद्ध निष्पादन एवं नवीकरण। • एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, सुरक्षा उपकरणों का अनुरक्षण, हाउसकीपिंग, अनुरक्षण एवं मरम्मत, सुरक्षा में सुधार तथा व्यवहार-आधारित सुरक्षा सूचकांक (बीबीएस इंडेक्स) के माध्यम से जोखिमयुक्त व्यवहार में कमी सुनिश्चित करना। • एचएसई पोर्टल पर ओआईएसडी, एमडीएसए, एसएसए, विद्युत सुरक्षा ऑडिट से संबंधित रिपोर्ट को अद्यतन करना। • कर्मचारियों एवं संविदा श्रमिकों हेतु नियमित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करना तथा अभिलेख सुरक्षित रखना। • कर्मचारियों एवं विस्तारित कार्यबल हेतु सुरक्षा एवं पुरस्कार योजना का कार्यान्वयन। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन।
वरिष्ठ अधिकारी – सिटी गैस वितरण परिचालन एवं रखरखाव	**अनुभव:** सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग में प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 3 वर्षों का अनुभव अनिवार्य। **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** कार्य उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित (परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं) शामिल होंगे: • प्राकृतिक गैस की मूलभूत विशेषताएँ, ग्राहकों के रूपांतरण एवं स्थानीय क्षेत्र में मांग आकलन हेतु कैलोरी मान की गणना। • पीएनजीआरबी (सीजीडी विनियम), टी4एस, आईएमएस, ईआरडीएमपी, सेवा की गुणवत्ता, पेसो मानकों आदि जैसे वैधानिक एवं विनियामक आवश्यकताओं की समझ और अनुपालन। • पीएनजी (घरेलू, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक) उपभोक्ताओं के बिलिंग और शिकायत प्रबंधन को संभालने की क्षमता।

	• गैस प्राप्ति, विक्रय एवं मेल-मिलान का लेखांकन करना ताकि अपहृत गैस की हानि को सीमित किया जा सके। • एपीएम गैस/क्षमता खंड की मांग का आकलन, प्राप्त गैस की निगरानी एवं नियंत्रण ताकि क्रय एवं परिवहन में दंडात्मक शुल्क से बचा जा सके। • औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गैस विक्रय में दंड गणना की प्रक्रिया सहित गैस विक्रय/क्रय समझौते के ढांचे की आवश्यक जानकारी। • एससीएडीए प्रणाली पर कार्य कर परिचालन की निगरानी एवं डेटा अद्यतन। • सीजीडी लाइनों की पेट्रोलिंग, ईआरवी परिचालन, कैथोडिक सुरक्षा एवं मार्कर्स की निगरानी। • सीजीडी परिसंपत्तियों की जीआईएस आधारित निगरानी, पेट्रोलिंग/ अनुरक्षण/ एलसीवी परिचालन। • पीएनजी, सीएनजी, विक्रय एवं अन्य लेनदेन हेतु दैनिक डैशबोर्ड रिपोर्ट तैयार करना। • सभी सीएनजी डॉटर बूस्टर स्टेशनों पर मासिक डिस्पेंसर रीडिंग एवं विद्युत सब-मीटर का सत्यापन करना। • कंप्रेसर के ऊर्जा खपत मापदंडों की निगरानी एवं सुधार करना। • सीएनजी उपकरण, डीआरएस/डीसीयू, वॉल्व चैम्बर्स, अन्य यांत्रिक, विद्युत एवं यंत्रबद्ध सुरक्षा प्रणालियों के निवारक/पूर्वानुमानित/ओईएम अनुशंसित अनुरक्षण की योजना बनाना, नियंत्रण एवं निगरानी करना। • आवश्यक/महत्त्वपूर्ण स्पेयर्स एवं उपभोज्य वस्तुओं की सूची बनाए रखना। • अनुसूचित अनुरक्षण एवं अंशांकन हेतु मासिक योजना बनाना एवं क्रियान्वित करना। • लीकेज सर्वेक्षण, लीकेज प्रदर्शन परीक्षण आदि की योजना एवं निष्पादन करना। • एएमसी प्रदाताओं की सेवा स्तर निगरानी, पीजी परीक्षण एवं सेवा आदेशों की समयबद्ध आपूर्ति के माध्यम से उपकरणों का प्रदर्शन सुनिश्चित करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन करना।
वरिष्ठ अधिकारी – सिटी गैस वितरण परियोजनाएँ	**अनुभव:** सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग में प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 3 वर्षों का अनुभव अनिवार्य।

	भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व: कार्य उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित (किन्तु इन्हीं तक सीमित नहीं) शामिल होंगे: • स्टील, एमडीपीई नेटवर्क, डीसीयू/डीआरएस/एमआरएस एवं अंतिम मील कनेक्टिविटी (जैसे जीआई/कॉपर पाइपिंग आदि) के लिए अनुमान एवं योजना बनाना। • जनरल अरेंजमेंट ड्रॉइंग, रूट मैप, अलाइनमेंट शीट्स का विकास एवं निर्माण चित्रों का निर्गमन। • निर्माण प्रक्रियाओं का विकास, क्यूएपी/आईटीपी (गुणवत्ता आश्वासन योजना/निरीक्षण परीक्षण योजना), निर्माण गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा, अभिलेखों का संधारण जिसमें प्री-कमिशनिंग/कमिशनिंग एवं "यथा निर्मित" दस्तावेज शामिल हों। • परियोजना अनुसूची बनाना, क्रिटिकल पाथ की निगरानी करना, नियमित एमआईएस रिपोर्ट एवं चेतावनी तैयार करना। • प्रोक्योरमेंट एवं वारंटी प्रवर्तन (पीजी परीक्षण सहित), माप एवं बिल प्रमाणन। • सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन हेतु स्टील एवं पीई पाइपलाइन नेटवर्क के निर्माण की निगरानी एवं निरीक्षण करना जिसमें ट्रेंचिंग एवं लोअरिंग, वेल्डिंग/इलेक्ट्रोफ्यूजन जॉइंटिंग, चेतावनी चटाई एवं ईंटों के साथ बैकफिलिंग (एसओआर/विशिष्टताओं के अनुसार), परीक्षण, फ्लशिंग, रेल/सड़क/नदी/नहर आदि के केस्ड/अनकेस्ड क्रॉसिंग्स (एचडीडी/ओपन-कट/बोरिंग सहित) शामिल हों। • पीएनजी एवं एलएमसी नेटवर्क योजना, ओपन कट/एचडीडी/मोलिंग एवं वॉल्व पिट, मीटर एवं रेगुलेटर का आकार निर्धारण, पीई एवं एलएमसी सामग्री का पुनर्मिलान (मुफ्त जारी सामाग्री सहित ठेकेदार के साथ) की समीक्षा करना। • स्टील, पीई, ग्राहक परिसर एवं सीएनजी सुविधाओं में सीजीडी नेटवर्क का परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा वैधानिक अनुमतियों की प्राप्ति। • मिस्सस/मीटर रेगुलेटर की स्थापना एवं कमीशनिंग करना। • एमडीपीई पाइपलाइन बिछाने एवं अंतिम मील कनेक्टिविटी (एलएमसी) से संबंधित स्थापना, निरीक्षण, परीक्षण एवं कमीशनिंग की गतिविधियाँ जो विक्रेताओं द्वारा की जाती हैं। • एमडीपीई नेटवर्क बिछाने हेतु अनुमतियों की प्राप्ति के लिए समन्वय कार्य, नेटवर्क मानचित्र/साइट आईएफ़सी ड्रॉइंग की तैयारी, परीक्षण रिपोर्ट्स का दस्तावेजीकरण। • वैधानिक एवं विनियामक आवश्यकताओं जैसे पीएनजीआरबी टी4एस, आईएमएस, ईआरडीएमपी एवं पीईएसओ मानकों की समझ एवं अनुपालन।

वरिष्ठ अधिकारी – बिक्री (रिटेल)	**अनुभव:** गैस / पेट्रोलियम / लुब्रिकेंट्स / एफएमसीजी / कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स / ऑटोमोबाइल / इंडस्ट्रियल / इंजीनियरिंग उत्पाद / पेट्रोकेमिकल उद्योग में विपणन/बिक्री क्षेत्र में एमबीए के पश्चात् कार्यकारी/प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 2 वर्षों का अनुभव अनिवार्य। **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** कार्य उत्तरदायित्वों में, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित शामिल होंगे: • एचपीसीएल फ्यूल स्टेशन नेटवर्क के माध्यम से एमएस, एचएसडी, सीएनजी, लुब्रिकेंट्स एवं अन्य संबंधित उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हेतु उत्तरदायी होना। • एचपीसीएल रिटेल आउटलेट के निष्पादन की तुलना उद्योग निष्पादन से करना और बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु रणनीति बनाना एवं लागू करना। • शहरी, राजमार्ग एवं ग्रामीण बाज़ारों में उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान कर नेटवर्क का विस्तार करना। • ग्राहक आमंत्रण एवं आकर्षण हेतु प्रयास करना। • ब्रांड निर्माण एवं बिक्री संवर्धन हेतु प्रचार अभियान की योजना बनाना एवं उसे क्रियान्वित करना। • चैनल प्रबंधन: एचपीसीएल फ्यूल/मोबिलिटी स्टेशन का परिचालन कर रहे रिटेल चैनल भागीदारों के साथ समन्वय कर बिक्री लक्ष्य प्राप्त करना। • बिक्री वृद्धि, परिचालन की दक्षता एवं ब्रांड दृश्यता हेतु रिटेल आउटलेट्स पर अवसंरचना में वृद्धि/परिवर्तन की आवश्यकता का मूल्यांकन करना। • संस्था द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार रिटेल आउटलेट्स की समग्र दृश्यता एवं सौंदर्य में सुधार लाना। • रणनीतिक साझेदारी, ब्रांडेड फ्यूल्स, सह-उत्पादों आदि की बिक्री के माध्यम से गैर-ईंधन राजस्व लक्ष्य प्राप्त करना। • कंपनी के स्वामित्व एवं परिचालन वाले आउटलेट्स में मानव संसाधन प्रबंधन एवं परिचालन व्यय पर नियंत्रण रख कर लाभप्रदता सुनिश्चित करना। • डीलर्स एवं ग्राहक सेवा सहयोगियों को परिचालन की उत्कृष्टता एवं सुरक्षा मानकों के संबंध में

	प्रशिक्षण प्रदान करना। • ग्राहक सेवा मानकों में सुधार हेतु गुणात्मक एवं मात्रात्मक सर्वेक्षण कराना। • फ्यूल स्टेशनों का नियमित निरीक्षण एवं मूल्यांकन कर अनुपालनों, साइट लाभप्रदता एवं ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करना। • रिटेल आउटलेट्स से संबंधित कानूनी मामलों को विधि विभाग एवं क्षेत्रीय कार्यालय के परामर्श से संभालना। • रिटेल आउटलेट नेटवर्क में विविध अनुपालनों को सुनिश्चित करने हेतु आंतरिक एवं बाह्य हितधारकों, सरकारी एवं वैधानिक प्राधिकरणों से समन्वय करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन करना।
वरिष्ठ अधिकारी – बिक्री (ल्यूब्स)	**अनुभव:** गैस / पेट्रोलियम / लुब्रिकेंट्स / एफएमसीजी / कंज्यूमर ड्यूरेबल्स / ऑटोमोबाइल / इंडस्ट्रियल / इंजीनियरिंग उत्पाद / पेट्रोकेमिकल उद्योग में विपणन/बिक्री क्षेत्र में एमबीए के उपरांत कार्यकारी/ प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 2 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। **भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व:** कार्य उत्तरदायित्वों में, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित शामिल होंगे: **उपभोक्ता ल्यूबस बिक्री अधिकारी (रिटेल आउटलेट):** • बिक्री लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं बिक्री रणनीतियों का विकास करना • बिक्री नियोजन एवं पूर्वानुमान तैयार करना • संभावित ग्राहकों पर शोध करना एवं लीड जनरेट करना • संभावित एवं वर्तमान ग्राहकों से संपर्क स्थापित करना • ग्राहकों की जिज्ञासाओं, शिकायतों एवं प्रश्नों का समाधान करना • प्रस्ताव तैयार करना एवं उन्हें प्रस्तुत करना • एसएपी प्रणाली के माध्यम से ऑर्डर-से-भुगतान चक्र का प्रबंधन करना • मासिक एवं वार्षिक बिक्री लक्ष्यों को प्राप्त करना

- निविदाओं (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) में भाग लेना
- व्यवसाय विकास – नए व्यवसाय आमंत्रण / ग्राहक अधिग्रहण / ओईएम व्यवसाय अवसरों की तलाश एवं अनुबंध
- ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार नए उत्पाद की पहचान एवं विकास
- निर्दिष्ट क्षेत्र/क्षेत्र के लिए औद्योगिक लुब्रिकेंट वितरकों के चैनल का प्रबंधन
- विभिन्न ग्राहक वर्गों के लिए ग्राहक सम्मेलन / सेमिनार / जागरूकता अभियानों का आयोजन एवं परिचालन
- ग्राहकों की ऋण पात्रता का मूल्यांकन / चैनल की वित्तीय स्थिति की निगरानी
- बाज़ार प्रवृत्तियों एवं विकास पर नज़र रखना
- उद्योग के समकक्षों / औद्योगिक संस्थाओं से संवाद
- पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन करना

बाज़ार ल्यूब्स बिक्री अधिकारी (रिटेल आउटलेट):

- बिक्री लक्ष्यों की प्राप्ति।
- लक्ष्यों की पूर्ति हेतु बिक्री रणनीतियों का विकास।
- बिक्री योजना एवं पूर्वानुमान तैयार करना।
- व्यापार विश्लेषण करना।
- डिजिटल मार्केटिंग का उपयोग।
- व्यापार करने के नए तरीकों की पहचान करना।
- नेटवर्क नियोजन एवं विकास।
- नए उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करना जो प्रदान किए जा सकते हैं।
- हितधारकों, ग्राहकों की शंकाओं, पूछताछ एवं शिकायतों का समाधान करना।
- एसएपी सिस्टम के माध्यम से बिक्री प्रक्रिया (ऑर्डर से भुगतान तक) का प्रबंधन।
- मासिक एवं वार्षिक बिक्री लक्ष्यों की प्राप्ति।
- व्यापार विकास – फ्लीट ऑपरेटर्स, वर्कशॉप्स, सर्विस स्टेशन, अधिकृत डीलरों आदि के साथ समझौते।
- आवंटित क्षेत्र/क्षेत्र के लिए बाज़ार लुब्रिकेंट वितरक चैनल का प्रबंधन।

	• अंतिम उपभोक्ताओं / प्रमुख उपयोगकर्ताओं जैसे रिटेलर्स, मैकेनिक्स आदि के लिए ग्राहक बैठक/सेमिनार/लॉन्च/जागरूकता अभियानों का आयोजन एवं परिचालन। • बिक्री प्रचार योजनाओं की रूपरेखा बनाना, योजना बनाना और कार्यान्वयन करना एवं प्रभावशीलता की निगरानी। • ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स बाज़ार का नियमित दौरा करना – नए अवसरों की पहचान हेतु। • चैनल भागीदारों की वित्तीय स्थिति की निगरानी करना। • हितधारकों एवं विक्रय प्रतिनिधियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना, वितरकों के विक्रय प्रतिनिधियों के लिए विकास एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाना, जिसमें नए उत्पादों / एसकेयू की जानकारी शामिल हो। उनके प्रदर्शन की योजनाओं के अनुरूप निगरानी करना। • रिटेल आउटलेट्स / एलपीजी चैनल आदि पर एचपी लुब्रिकेंट्स के प्रचार हेतु एचपीसीएल की अन्य व्यावसायिक इकाइयों के साथ समन्वय करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन करना।
वरिष्ठ अधिकारी – बिक्री (प्रत्यक्ष बिक्री)	**अनुभव:** गैस / पेट्रोलियम / लुब्रिकेंट्स / एफएमसीजी / कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स / ऑटोमोबाइल / औद्योगिक / इंजीनियरिंग उत्पाद / पेट्रोकेमिकल उद्योग में एमबीए के पश्चात कार्यकारी / प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 2 वर्षों का अनुभव अनिवार्य है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित शामिल होंगे: • औद्योगिक और सरकारी ग्राहकों को बेचे जा रहे उत्पादों की बिक्री बढ़ाने की जिम्मेदारी। • अधिकारी द्वारा संभाले जा रहे आई & सी उत्पादों में एचपीसीएल की बाज़ार हिस्सेदारी में सुधार करना। • एचपीसीएल लेनदेन को अधिक लाभकारी बनाना और बिक्री लेनदेन से उत्पन्न लाभ में वृद्धि सुनिश्चित करना। • ग्राहकों के प्रमुख अधिकारियों से सशक्त व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना, गुणवत्तापूर्ण ग्राहक मुलाकातों और उचित योजना के माध्यम से, ताकि बिक्री और लाभ अधिकतम किया जा सके।

	• यात्रा क्षेत्र का प्रभावी भ्रमण निर्धारित टूरिंग सर्किट के अनुसार। • नए ग्राहकों से व्यवसाय प्राप्त करना। • मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखना और उनके साथ संबंधों को मजबूत करना। • उन नए क्षेत्रों और बाजारों में प्रवेश करना जहाँ एचपीसीएल की उपस्थिति नहीं है। • सभी आपूर्ति स्थानों के साथ समन्वय सुनिश्चित करना ताकि एचपीसीएल अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहे। • आवश्यकतानुसार नए और मौजूदा ग्राहकों के परिसर में अधोसंरचना सुविधाओं में वृद्धि करना। • स्थायी संपत्ति का सत्यापन करना। • मौजूदा और नए ग्राहकों को दी जा रही छूटों और अन्य वाणिज्यिक शर्तों हेतु एमईए (मार्केटिंग एक्सेप्शन अप्रूवल) प्रक्रिया करना। • क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिए गए वार्षिक परिचालन योजना (एओपी) लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रयास करना। • लक्षित बाज़ार हिस्सेदारी और लाभप्रदता सुनिश्चित करना। • नव नियुक्त अधिकारियों का प्रशिक्षण / मार्गदर्शन करना। • मूल्य निर्धारण, उत्पाद ज्ञान, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार खुफिया सूचना से संबंधित क्षमता निर्माण करना। • प्रत्येक बिक्री लेनदेन में सही मूल्य और अन्य वाणिज्यिक शर्तों की वसूली सुनिश्चित करना। • एचपीसीएल की बकाया राशियों की समय पर वसूली हेतु समन्वय करना। • प्रबंधन समितियों और टास्क फोर्स में भाग लेना। • बिक्री क्षेत्र की बाज़ार प्रोफ़ाइल विकसित करना और उस पर कार्य करना, जिसमें उत्पाद और ग्राहकवार एबीसी विश्लेषण शामिल हो, ताकि लक्षित बिक्री मात्रा और लाभ प्राप्त किया जा सके। • एचपीसीएल की तुलना में प्रतिस्पर्धियों की अधोसंरचना संबंधी मजबूती और कमजोरियों की बाज़ार खुफिया जानकारी एकत्र करना, ताकि एचपीसीएल की ताकतों का लाभ उठाया जा सके और कमजोरियों को दूर किया जा सके। • श्रेणी 'ए' के ग्राहकों के लिए सभी प्रमुख उत्पादों पर एचपीसीएल एवं प्रतिस्पर्धियों की लैंडिंग लागत विकसित करना और उसका विश्लेषण करना।

	• ऊर्जा संक्रमण और पर्यावरण के अनुकूल ईंधनों की दिशा में नए उत्पादों को परीक्षण के माध्यम से पेश करने की संभावनाओं का पता लगाना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कोई भी कार्य।
वरिष्ठ अधिकारी – बिक्री (एलपीजी)	**अनुभव:** गैस / पेट्रोलियम / लुब्रिकेंट्स / एफएमसीजी / उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ / ऑटोमोबाइल / औद्योगिक / इंजीनियरिंग उत्पाद / पेट्रोकेमिकल उद्योग में एमबीए के बाद कार्यकारी / प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 2 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित शामिल होंगे: • वितरक और बिक्री प्रदर्शन गतिविधियों की निगरानी और समीक्षा करना (जैसे घरेलू बिक्री, गैर-घरेलू बिक्री, थोक बिक्री, नए ग्राहक, डबल बॉटल ग्राहक, सहायक रिटेल कारोबार आदि)। • बार-बार भ्रमण करके एवं गैर-घरेलू ग्राहकों को उत्पाद के बारे में जानकारी देकर नए व्यवसाय की संभावनाएं तलाशना और उत्पाद आपूर्ति सुनिश्चित करना। • एलपीजी वितरकों का निरीक्षण करना। • आदेश, खाली सिलिंडर, बैकलॉग, बिक्री रिपोर्ट, स्टॉक रिपोर्ट, ईज़ी गैस उपयोग और कैशलेस लेनदेन की निगरानी करना। • नई वितरक नियुक्ति की प्रक्रिया का समन्वय, निगरानी और मार्गदर्शन करना। • वितरकों और एफ़एसएम (फील्ड सेल्स मैनेजर) के लिए प्रशिक्षण और प्रोत्साहन कार्यक्रम/बैठकों का आयोजन करना। • सरकारी योजनाओं जैसे पीएमयूवाई, एलपीजी पंचायत गतिविधियों एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों का समन्वय एवं परिचालन करना। • सभी सरकारी एजेंसियों, ओएमसी अधिकारियों आदि से समन्वय करना। • ग्राहक शिकायतें, वितरक से संबंधित मुद्दे/प्रश्न, दुर्घटना मामलों, न्यायालय मामलों, आरटीआई और सोशल मीडिया मामलों के लिए समन्वय करना।

	• मासिक एमआईएस रिपोर्ट/बीसीएम प्रस्तुति/बिक्री समीक्षा/मुख्यालय या ज़ोन द्वारा मांगे गए आंकड़ों की तैयारी। • प्रबंधन समितियों और कार्यबलों में भाग लेना। • पर्यवेक्षक द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अतिरिक्त कार्यों का निर्वहन करना।
वरिष्ठ अधिकारी/सहायक प्रबंधक -गैर-ईंधन व्यवसाय	**अनुभव:** एफएमसीजी / उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ / औद्योगिक बिक्री के क्षेत्र में एमबीए के बाद कार्यकारी / प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 2 / 5 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित शामिल होंगे: • रिटेल आउटलेट से गैर-ईंधन आय बढ़ाने के अवसरों की पहचान करना। • मौजूदा टाई-अप का विस्तार करना और नए गैर-ईंधन भागीदारों जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्यूएसआर ब्रांड्स, रेस्टोरेंट्स, रिटेल ब्रांड्स आदि के साथ टाई-अप करना। • बाज़ार अनुसंधान एवं विश्लेषण करना ताकि नए बिक्री अवसरों की पहचान की जा सके, उपभोक्ता की प्राथमिकताओं एवं बाज़ार प्रवृत्तियों को समझा जा सके। • निर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए बिक्री रणनीतियाँ तैयार करना एवं कार्यान्वित करना, प्रमुख ग्राहकों की पहचान करना तथा ग्राहक संबंध विकसित करना। • सी-स्टोर्स (हैप्पी शोप्स) की कार्यप्रणाली की निगरानी करना तथा उनके लिए उपयुक्त इन्वेंट्री सोर्सिंग मॉडल की पहचान और क्रियान्वयन करना। • गो-फ्रूगल या किसी अन्य पॉइंट ऑफ सेल/कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम प्रदाता के साथ हैप्पी शोप्स परिचालन हेतु समन्वय करना। • कंपनी के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुरूप बिक्री योजनाओं और रणनीतियों का विकास एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना। • प्रभावी योजना, ग्राहक सहभागिता और संबंध निर्माण के माध्यम से मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक बिक्री लक्ष्य प्राप्त करना।

	• सभी एआरबी विक्रेताओं से समय पर भुगतान सुनिश्चित करना। • लक्ष्यों के विरुद्ध प्रदर्शन की निगरानी हेतु नियमित बिक्री रिपोर्ट तैयार करना तथा सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निर्वहन करना।
मुख्य प्रबंधक/उप महाप्रबंधक - गैर-ईंधन व्यवसाय	**अनुभव:** एफएमसीजी / उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ / औद्योगिक बिक्री के क्षेत्र में एमबीए के बाद कार्यकारी / प्रबंधकीय भूमिका में न्यूनतम 14 / 17 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियाँ, किन्तु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित होंगी: • रिटेल नेटवर्क के माध्यम से उत्पादों और सेवाओं के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक रणनीति प्रस्तावित करना। • नए बिक्री अवसरों की पहचान, उपभोक्ता की प्राथमिकताओं एवं बाज़ार प्रवृत्तियों को समझने हेतु बाज़ार अनुसंधान एवं विश्लेषण करना। • कंपनी के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुरूप बिक्री रणनीतियाँ विकसित करना एवं उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना। • रिटेल नेटवर्क में पूर्ण ब्रांडेड ग्राहक सेवाओं को कार्यान्वित करना, जिनमें खाद्य एवं पेय पदार्थ, कार वॉश और अन्य ऑटोमोटिव सेवाएँ शामिल हैं। • प्राथमिक बाज़ारों और प्रमुख स्थलों में गैर-ईंधन व्यवसाय की वृद्धि को प्राथमिकता देना एवं उसका अनुकूलन करना, चाहे वे तैयार हों या पाइपलाइन में हों। • संबद्ध परियोजनाओं में निवेश से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु रिटेल परियोजनाओं के लिए एनएफबी लेआउट्स को अंतिम रूप देना। • योजना, निर्णय लेने और सतत सुधार हेतु नेतृत्व को डेटा एवं रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराना और परिचालन में सुधार हेतु सुझाव देना।

	• मासिक और त्रैमासिक प्रदर्शन परिणामों की निगरानी करना, प्रदर्शन अंतराल और उनके प्रभावों की पहचान करना, और मूल कारणों को दूर करने हेतु सुधारात्मक कार्यवाहियों का नेतृत्व करना।
प्रबंधक – तकनीकी	**अनुभव:** पॉलीमर उद्योग में न्यूनतम 9 वर्षों का अनुभव, जिसमें से न्यूनतम 5 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव पॉलीएथिलीन / पॉलीप्रोपाइलीन के लिए अनुप्रयोग एवं विकास और/या तकनीकी सेवाओं के क्षेत्र में होना अनिवार्य है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियाँ, किन्तु इन्हीं तक सीमित नहीं, निम्नलिखित होंगी: • ग्राहकों की समस्याओं के समाधान हेतु साइट पर भ्रमण करना। • तकनीकी बिक्री हेतु विक्रय दल के साथ ग्राहक स्थलों का दौरा करना। • ग्राहकों की सेवा संबंधी आवश्यकताओं के लिए विक्रय टीम के साथ समन्वय करना। • ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं (वॉयस ऑफ कस्टमर) की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजना। • विक्रय दल को उत्पादों का प्रशिक्षण देना एवं विभिन्न पॉलीमर क्षेत्रों की वर्तमान एवं भविष्य की प्रवृत्तियों से उन्हें अवगत कराना।
प्रबंधक- बिक्री- अनुसंधान एवं विकास उत्पाद व्यावसायीकरण	**अनुभव:** कुल न्यूनतम 9 वर्षों का अनुभव, जिसमें से न्यूनतम 5 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव पॉलीएथिलीन / पॉलीप्रोपाइलीन / पीवीसी के विक्रय / विपणन / व्यवसाय विकास के क्षेत्र में होना आवश्यक है। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, परंतु ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: • ग्राहक अधिग्रहण: संभावित ग्राहकों की पहचान, संपर्क साधना, व्यक्तिगत चर्चा, ग्राहक अधिग्रहण तथा वाणिज्यिक वार्तालाप करना। • चैनल प्रबंधन: मौजूदा चैनल भागीदारों के प्रदर्शन का प्रबंधन एवं उनके विक्रय और राजस्व को बढ़ाने की रणनीति विकसित करना।

	• वाणिज्यिक कार्य: समय पर भुगतान प्राप्त करने, वैधानिक दस्तावेज एकत्रित करने आदि के लिए डीसीए / ग्राहकों के साथ समन्वय करना। • आपूर्ति एवं वितरण टीम के साथ समन्वय: समय पर आपूर्ति, आपूर्ति नियोजन / शिकायत निवारण हेतु समन्वय। • तकनीकी सेवा टीम के साथ समन्वय: डेमो, परीक्षण, तकनीकी बिक्री प्रस्तुतियाँ एवं ग्राहक शिकायत समाधान के लिए सहयोग। • ब्रांडिंग गतिविधियों का निष्पादन: ब्रांड प्रचार संबंधित कार्यों में समर्थन। • बाजार अंतर्दृष्टि एकत्र करना: बाज़ार मूल्य, प्रतिस्पर्धियों की रणनीतियाँ, मांग-आपूर्ति प्रवृत्तियाँ आदि की जानकारी एकत्र कर मुख्यालय को सूचित करना।
उप महाप्रबंधक – कैटेलिस्ट व्यवसाय विकास - अनुसंधान एवं विकास उत्पाद व्यावसायीकरण	**अनुभव:** कम से कम 18 वर्षों का अनुभव, जिसमें रिफाइनरियों में कम से कम 7 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव विशेष रसायनों/कैटेलिस्ट के विक्रय/विपणन/व्यवसाय विकास के क्षेत्र में होना चाहिए। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, परंतु ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: • पूरे कैटेलिस्ट व्यवसाय का प्रबंधन करना। • उत्पादन में वृद्धि के लिए अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) विभाग के साथ समन्वय करना। • ग्राहकों द्वारा की गई शिकायतों का समाधान करना और वास्तविक समय में महत्वपूर्ण सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्रदान करना। • कैटेलिस्ट की बिक्री हेतु एक प्रभावी और सक्रिय बाज़ार खुफिया प्रणाली/नेटवर्क का निर्माण एवं रखरखाव करना।
उप महाप्रबंधक- तकनीकी सेवा - अनुसंधान एवं विकास उत्पाद व्यावसायीकरण	**अनुभव:** कम से कम 18 वर्षों का अनुभव, जिसमें रिफाइनरियों में कम से कम 7 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव विशेष रसायनों/कैटेलिस्ट के तकनीकी सेवाओं/व्यवसाय विकास के क्षेत्र में होना चाहिए।

	भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व: कार्य की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: • बिक्री दल के लिए प्रभावशाली प्रस्तुति तैयार करना। • उत्पादों की विशेषताएँ, लाभ, अनुप्रयोग आदि विषयों पर बिक्री टीम को प्रशिक्षण प्रदान करना। • ग्राहक तकनीकी जिज्ञासाओं को सुलझाने हेतु बिक्री दल के साथ ग्राहकों के स्थलों पर जाना। • परियोजना की शुरुआत से लेकर उत्पाद हस्तांतरण तक अनुसंधान एवं विकास (आर&डी) टीम के साथ नियमित संवाद बनाए रखना। • अनुसंधान एवं विकास से उत्पाद को हस्तांतरित करते समय यह सुनिश्चित करना कि सभी तत्व अनुबंधानुसार पूर्ण किए गए हैं। • उत्पाद विकास में नए विचार लाना। • इनऑर्गेनिक वृद्धि को बढ़ावा देने हेतु बिक्री संभावनाएं उत्पन्न करना। • टोल ब्लेंडर से संवाद कर उत्पादन का अनुकूलन सुनिश्चित करना। • उत्पाद निर्माण हेतु लॉजिस्टिक्स टीम को पूर्ण सहयोग प्रदान करना।
उप महाप्रबंधक- पॉलिमर विशेषज्ञ प्रमुख	**अनुभव:** कम से कम 18 वर्षों का अनुभव, जिसमें से न्यूनतम 7 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव निर्यात बिक्री/ विपणन में होना चाहिए, विशेष रूप से पॉलीएथिलीन/पॉलीप्रोपाइलीन उत्पादों में अनुभव को प्राथमिकता दी जाएगी। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: • सभी निर्यात रणनीतियों का डिज़ाइन करना एवं उन्हें कार्यान्वित करना। • रणनीतिक निर्यात बाजार और उत्पाद हेतु प्रभावी व्यवसाय योजना तैयार करना। • वितरण नेटवर्क विकसित करना, खरीदारों की पहचान करना, वार्ता करना और व्यावसायिक अनुबंधों को अंतिम रूप देना।

	• विदेशी बाजारों में संगठन के ब्रांड और दृश्यता को सुदृढ़ करना तथा संगठन के लिए अंतरराष्ट्रीय मूल्य प्रस्ताव तैयार करना। • सभी बिक्री लेन-देन की निगरानी करना और ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं की समीक्षा करना (ऑर्डर और भुगतान से संबंधित)। • बिक्री और निर्यात कार्यों की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी होना। • निर्यात से संबंधित दस्तावेज़ीकरण और वैधानिक अनुपालनों के लिए उत्तरदायी होना।
महाप्रबंधक- व्यवसाय विकास प्रमुख	**अनुभव:** कम से कम 21 वर्षों का अनुभव, जिसमें से न्यूनतम 12 वर्षों का प्रासंगिक कार्यानुभव पॉलीएथिलीन / पॉलीप्रोपाइलीन / अन्य पॉलिमर उत्पादों की बिक्री / विपणन / तकनीकी सेवाओं के क्षेत्र में होना चाहिए। **भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व:** कार्य की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: • पॉलिमर से संबंधित संगठन की इनऑर्गेनिक वृद्धि के लिए उत्तरदायी होना। • नए बाजारों और ग्राहक आवश्यकताओं की पहचान हेतु अनुसंधान करना। • बिक्री टीम के लिए प्रभावी सेल्स पिच तैयार करना। • क्षेत्रीय तकनीकी सेवा से संबंधित सभी मामलों के लिए संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करना। • सभी तकनीकी शिकायतों को संकलित करना और उन्हें दूर करने हेतु पीएआरसी, क्षेत्रीय तकनीकी सेवा टीम और ग्राहकों के साथ समन्वय करना। • बाजार और उत्पाद की तकनीकी प्रगति पर सतत निगरानी रखना तथा आवश्यक रणनीतिक सुझाव देना। • संगठन की ओर से विभिन्न सरकारी विनियामक निकायों और औद्योगिक संघों में प्रतिनिधित्व करना।
वरिष्ठ प्रबंधक/ मुख्य प्रबंधक - कंपनी सचिव	**अनुभव:** योग्यता उपरांत 12 वर्ष का कार्य अनुभव (कम से कम 6 वर्ष सूचीबद्ध कंपनी में) / योग्यता उपरांत 15 वर्ष का कार्य अनुभव (कम से कम 9 वर्ष सूचीबद्ध कंपनी में कंपनी सचिव के पद पर कंपनी अधिनियम, सेबी, नियमों और विनियमों तथा प्रासंगिक वैधानिक ढांचे का गहन ज्ञान होना चाहिए।

	योग्यता उपरांत कार्य अनुभव को सदस्यता प्राप्त करने के बाद गिना जाएगा। **भूमिकाएं और उत्तरदायित्व:** सेवा के दौरान जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगे, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं होंगे: • कंपनी के कॉर्पोरेट अभिशासन और अन्य वैधानिक एवं विधिक अनुपालन संबंधी मामलों को सुनिश्चित करना। • सभी परिचालनों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन मानदंडों के कार्यान्वयन को स्थापित करना और आगे बढ़ाना। • शेयरों के जारी करने, उनके हस्तांतरण, संचरण आदि से संबंधित मामलों में समय पर अनुपालन सुनिश्चित करना और कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत निर्धारित शेयरधारिता और अन्य वैधानिक अभिलेखों से संबंधित अभिलेखों का अद्यतन रखरखाव करना। • समय-समय पर बोर्ड की बैठकें, समिति की बैठकें, वार्षिक साधारण बैठकें और ऐसी बैठकों से पहले और बाद की सभी औपचारिकताएँ आयोजित करना। • कॉर्पोरेट दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना, कॉर्पोरेट नोटिस और पत्राचार पर ध्यान देना, बाहरी पक्षों के साथ व्यवहार में संगठन का प्रतिनिधित्व करना। • लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के साथ कंपनी अधिनियम के अंतर्गत सचिवीय लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट अभिशासन लेखा परीक्षा को संभालना। • संगठन की सहायक कंपनियों के सचिवीय कार्यों की निगरानी करना। • निवेशक के संबंध में विभाग से संबंधित कानूनी मुद्दों जैसे कि ट्रांसमिशन, ट्रांसफर, धोखाधड़ी आदि को संभालना। • ट्रेडिंग विंडो क्लोजर को कवर करते हुए इनसाइडर ट्रेडिंग की निगरानी करना
(निश्चित अवधि के अनुबंध)	
सूचना प्रणाली अधिकारी – एफटीसी (दिए गए एक या अधिक क्षेत्रों में अनुभव)	**अनुभव:** शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने के बाद न्यूनतम दो वर्षों का अनुभव निम्नलिखित में से एक या अधिक क्षेत्रों में होना आवश्यक है: **डेवलपमेंट – स्प्रिंगबूट:** • एजाइल (Agile) विकास पद्धतियों, स्केलेबल, लचीले, सुरक्षित कोडिंग प्रथाओं, लूज़ली कपल्ड/क्लाउड-नेटिव सिस्टम (जैसे एपीआई आधारित), एपीआई गेटवे आदि के निर्माण का अनुभव। • स्प्रिंग बूट, स्प्रिंग क्लाउड फ्रेमवर्क का उपयोग करके वेब एप्लिकेशन विकास में प्रवीणता। • एपीआई मैनेजर का उपयोग कर एपीआई जीवनचक्र प्रबंधन में दक्षता।

• आरडीबीएमएस तथा नो-एसक्यूएल डेटाबेस के उपयोग का अनुभव अनिवार्य है।

आईटी सुरक्षा प्रबंधन :

• फ़ायरवॉल, आई.पी.एस., ए.पी.टी., ईमेल सुरक्षा, वेब सुरक्षा, एस.ओ.सी. टूल्स, एस.आई.ई.एम./ एस.ओ.ए.आर., पब्लिक-प्राइवेट क्लाउड आदि जैसे आधुनिक आईटी सुरक्षा तकनीकों में विशेषज्ञता।

• थ्रेट हंटिंग का अनुभव।

• फॉरेंसिक जांच का अनुभव।

• वेब एप्लिकेशन सुरक्षा में विशेषज्ञता।

• विभिन्न ओटी प्रोटोकॉल्स और ओटी सुरक्षा में विशेषज्ञता।

• एस.ओ.सी. परिचालन का अनुभव।

नेटवर्क और संचार:

• विभिन्न ओईएम विशेषकर सिस्को के राउटर एवं स्विच कॉन्फ़िगरेशन का कार्यात्मक ज्ञान।

• लैन प्रबंधन, लैन ट्रबलशूटिंग, वीएलएएन प्रबंधन का कार्यात्मक ज्ञान।

• नेटवर्क मॉनिटरिंग टूल्स तथा उनके प्रबंधन का कार्यात्मक ज्ञान।

• वायरलेस तकनीक एवं उसके प्रबंधन का आधारभूत ज्ञान वांछनीय है।

• यूसीवीसी डोमेन, वीओआईपी टेलीफोनी का आधारभूत ज्ञान वांछनीय है।

• स्विचिंग एवं राउटिंग प्रोटोकॉल्स जैसे एसटीपी, ओएसपीएफ, बीजीपी आदि पर ज्ञान एवं कार्यानुभव होना चाहिए।

• एमपीएलएस वीपीएन, रिमोट एक्सेस वीपीएन और आईपीसेक पर ज्ञान होना चाहिए।

आधारभूत संरचना एवं भंडारण प्रशासक (डाटा सेंटर एवं डिज़ास्टर रिकवरी):

• आईटी अवसंरचना प्रबंधन में अनुभव, विशेष रूप से सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन या क्लाउड एडमिनिस्ट्रेशन जैसे पदों में कार्यानुभव। वर्चुअलाइज़ेशन, नेटवर्किंग, स्टोरेज और सुरक्षा से संबंधित उद्योग-मानक तकनीकों, प्लेटफॉर्म्स एवं उपकरणों का ज्ञान।

• विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे विंडोज़ सर्वर, लिनक्स डिस्ट्रीब्यूशंस (जैसे रेड हैट, सेंटओएस, सूसे, उबुन्टू, अल्मालिनक्स आदि) के प्रबंधन में दक्षता।

• क्लाउड कंप्यूटिंग एवं वर्चुअलाइज़ेशन प्लेटफॉर्म्स (जैसे वीएमवेयर और न्यूटानिक्स) में कार्यानुभव, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐज़ ए सर्विस (आईएएएस) एवं प्लेटफॉर्म ऐज़ ए सर्विस (पीएएएस) शामिल हैं।

	नेटवर्किंग की अवधारणाओं, प्रोटोकॉल्स एवं तकनीकों जैसे टीसीपी/आईपी, डीएनएस, डीएचसीपी, वीएलएएन, वीपीएन, रूटिंग एवं स्विचिंग की समझ। • वर्चुअलाइज़ेशन तकनीकों जैसे वीएमवेयर वी-स्फेयर, माइक्रोसॉफ्ट हाइपर-वी, या सिट्रिक्स ज़ेनसर्वर का ज्ञान, और वर्चुअलाइज्ड एनवायरनमेंट के लिए स्टोरेज इंटीग्रेशन का अनुभव। • आईटी सुरक्षा सिद्धांतों का ज्ञान, जैसे एक्सेस कंट्रोल, एन्क्रिप्शन, वल्नरेबिलिटी प्रबंधन, घुसपैठ पहचान तथा घटना प्रतिक्रिया। • स्टोरेज प्रशासन में अनुभव, जिसमें स्टोरेज एरिया नेटवर्क्स (एसएएन), नेटवर्क-अटैच्ड स्टोरेज (एनएएस), और स्टोरेज प्रोटोकॉल्स जैसे फाइबर चैनल, आईएससीएसआई, एनएफएस और एसएमबी का प्रबंधन शामिल है। • बैकअप एवं रिकवरी सॉल्यूशंस में दक्षता, जैसे बैकअप सॉफ़्टवेयर (उदाहरण: नेटऐप, डाटा डोमेन, कॉमवॉल्ट, वीएमवेयर वीएसएएन), टेप लाइब्रेरीज़, डिस्क-आधारित बैकअप तथा डिज़ास्टर रिकवरी रणनीतियाँ। • ऑब्जेक्ट स्टोरेज: ऑब्जेक्ट स्टोरेज सेवाओं एवं प्लेटफॉर्म्स (जैसे अमेज़न एस3, मिनआईओ) का ज्ञान और इन्हें ऑन-प्रेमाइसेज़ स्टोरेज अवसंरचना से एकीकृत करने का अनुभव। • मॉनिटरिंग एवं ट्रबलशूटिंग, स्क्रिप्टिंग एवं ऑटोमेशन का अनुभव; पावरशेल, बैश या पाइथन जैसी स्क्रिप्टिंग भाषाओं की समझ और नियमित कार्यों को ऑटोमेट करने का अनुभव। • इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के प्रबंधन में अनुभव, जिसमें योजना बनाना, कार्यान्वयन और दस्तावेज़ीकरण शामिल है। **डेटाबेस प्रशासक :** • डेटाबेस प्रबंधन प्रणालियों जैसे ओरैकल, माइक्रोसॉफ्ट एसक्यूएल सर्वर, मारियाडीबी, पोस्टग्रेएसक्यूएल में डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन का अनुभव; साथ ही सिंगलस्टोर, मोंगोडीबी, हडूप जैसे विशिष्ट डेटाबेस में प्राथमिकता। • डेटाबेस तकनीकों का प्रबंधन और अनुकूलन (ऑप्टिमाइज़ेशन) करने में दक्षता, जिसमें इंस्टॉलेशन, कॉन्फ़िगरेशन, परफॉर्मेंस ट्यूनिंग, मॉनिटरिंग, बैकअप व रिकवरी तथा सुरक्षा शामिल हैं। • विभिन्न डेटाबेस प्लेटफॉर्म्स का अनुभव, जैसे रिलेशनल डेटाबेस, नो-एसक्यूएल डेटाबेस, कॉलमनर डेटाबेस, और इन-मेमोरी डेटाबेस, आवश्यकता के अनुसार।

• कुशल और स्केलेबल डेटाबेस स्कीमा सुनिश्चित करने हेतु डेटाबेस डिज़ाइन सिद्धांतों, सामान्यीकरण तकनीकों, इंडेक्सिंग रणनीतियों तथा डेटा मॉडलिंग अवधारणाओं की समझ।

• विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे विंडोज़ सर्वर एवं लिनक्स डिस्ट्रीब्यूशंस का परिचय।

• स्क्रिप्टिंग भाषाओं जैसे एसक्यूएल, पीएल/एसक्यूएल, पावरशेल और पाइथन का ज्ञान तथा नियमित डेटाबेस प्रबंधन कार्यों एवं प्रक्रियाओं को ऑटोमेट करने का अनुभव।

• डेटाबेस के लिए उच्च उपलब्धता और डिज़ास्टर रिकवरी समाधानों को लागू करने और प्रबंधित करने का अनुभव, जिसमें फ़ेलओवर क्लस्टरिंग, रेप्लिकेशन, मिररिंग, रिकवरी एवं बैकअप रणनीतियाँ शामिल हैं।

• डेटाबेस परफॉर्मेंस समस्याओं का निदान और समाधान करने में दक्षता, एसक्यूएल क्वेरीज का ऑप्टिमाइज़ेशन, इंडेक्स ट्यूनिंग, क्वेरी ट्यूनिंग, लॉग विश्लेषण और डेटाबेस स्कीमा ऑप्टिमाइज़ेशन में कौशल।

• डेटाबेस सुरक्षा सिद्धांतों का ज्ञान, जैसे एक्सेस नियंत्रण, एन्क्रिप्शन, ऑडिटिंग और अनुपालन आवश्यकताएँ, ताकि संवेदनशील डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।।

प्रणाली प्रशासक (प्रौद्योगिकी):

- कंटेनर एडमिनिस्ट्रेशन में दक्षता; कंटेनराइज़्ड एनवायरनमेंट में कंटेनर संसाधनों, स्टोरेज और नेटवर्किंग का प्रावधान और प्रबंधन।
- लिनक्स डिस्ट्रीब्यूशन्स (जैसे उबुन्टू, सेंटओएस, रेड हैट, अल्मालिनक्स) तथा विंडोज़ सर्वर जैसे विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जानकारी।
- डेवसेकऑप्स प्रक्रियाओं के डिज़ाइन, कार्यान्वयन और अनुरक्षण में अनुभव।
- अपाचे काफ्का क्लस्टर्स का डिप्लॉयमेंट एवं कॉन्फ़िगरेशन, जिसमें ब्रोकर्स, टॉपिक्स, पार्टीशन्स एवं रेप्लिकेशन शामिल हो, का अनुभव।
- एला-स्टिकसर्च क्लस्टर्स का डिप्लॉयमेंट एवं कॉन्फ़िगरेशन, जिसमें नोड्स, इंडेसेज़, शार्ड्स और रेप्लिका का ज्ञान।
- एपीआई प्रबंधन प्लेटफ़ॉर्म्स (जैसे डब्ल्यूएसओ2, म्यूलसॉफ्ट, या कॉन्ग) की स्थापना, कॉन्फ़िगरेशन एवं एडमिनिस्ट्रेशन का अनुभव।

	• हाइपरलेजर फैब्रिक नेटवर्क्स की डिप्लॉयमेंट और कॉन्फ़िगरेशन का ज्ञान, जिसमें पीअर्स, ऑर्डरर्स और सर्टिफिकेट अथॉरिटीज़ (सीए) शामिल हैं। • नेटवर्किंग की अवधारणाओं जैसे टीसीपी/आईपी, डीएनएस, डीएचसीपी, एचटीटीपी/एचटीटीपीएस, एसएसएल/टीएलएस, लोड बैलेंसिंग और फ़ायरवॉल्स की समझ। • डॉकर जैसी कंटेनर टेक्नोलॉजीज़ एवं कुबेरनेटिस जैसे कंटेनर ऑर्केस्ट्रेशन प्लेटफ़ॉर्म्स में कार्यानुभव। • कुबेरनेटिस की संरचना (आर्किटेक्चर), घटक (कम्पोनेंट्स) और अवधारणाएँ जैसे पॉड्स, डिप्लॉयमेंट्स, सर्विसेस और इंग्रेस कंट्रोलर्स का ज्ञान। **प्रणाली प्रशासक (पैच प्रबंधन, एक्टिव डायरेक्टरी, ओपनएलडीएपी, मैसेजिंग):** • सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में अनुभव, विशेष रूप से उन भूमिकाओं में जहाँ आईटी सिस्टम्स, एक्टिव डायरेक्टरी सेवाएँ, मैसेजिंग, सर्वर एवं नेटवर्क का प्रबंधन और अनुरक्षण शामिल हो। • ऑपरेटिंग सिस्टम्स (जैसे विंडोज़ सर्वर, लिनक्स डिस्ट्रीब्यूशन्स) और एप्लिकेशनों के लिए पैच प्रबंधन प्रक्रियाओं और उपकरणों में दक्षता, ताकि सिस्टम्स को नवीनतम सुरक्षा पैच और अपडेट्स के साथ अद्यतित रखा जा सके। • एक्टिव डायरेक्टरी सेवाओं का परिचालन, जिसमें उपयोगकर्ता और समूह प्रबंधन, ग्रुप पॉलिसी कार्यान्वयन, डोमेन कंट्रोलर कॉन्फ़िगरेशन और डायरेक्टरी सेवा प्रतिकृति का अनुभव। • लिनक्स/यूनिक्स वातावरण में डायरेक्टरी सेवाओं के प्रबंधन हेतु ओपनएलडीएपी का ज्ञान, जिसमें उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण, प्राधिकरण और एक्सेस नियंत्रण शामिल है। • मैसेजिंग सिस्टम्स जैसे माइक्रोसॉफ्ट एक्सचेंज सर्वर, एक्सचेंज ऑनलाइन (ऑफ़िस 365), ईमेल प्रोटोकॉल्स और ईमेल सुरक्षा समाधानों के परिचालन में अनुभव। • नेटवर्किंग अवधारणाओं, प्रोटोकॉल्स (टीसीपी/आईपी, डीएनएस, डीएचसीपी) और नेटवर्क अवसंरचना घटकों (राउटर्स, स्विचेस, फ़ायरवॉल्स) की समझ, जिससे सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन से संबंधित कार्यों को समर्थन मिल सके। • स्क्रिप्टिंग भाषाओं जैसे पावरशेल, बैश या पाइथन में दक्षता, और नियमित सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन कार्यों को ऑटोमेट करने का अनुभव। • सुरक्षित आईटी वातावरण बनाए रखने हेतु सुरक्षा सर्वोत्तम प्रथाओं, सिद्धांतों और तकनीकों का ज्ञान, जिसमें एक्सेस कंट्रोल्स, एन्क्रिप्शन और वल्नरेबिलिटी प्रबंधन शामिल हैं।

	भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व: नौकरी संबंधी उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित शामिल होंगे, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं रहेंगे: **1) डेवलपमेंट - स्प्रिंगबूट:** • व्यापारिक लाभ हेतु सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का लाभ उठाना। • सुचारु परिचालन हेतु सिस्टम एवं प्रक्रियाओं का निर्माण करना। • उपयुक्त तकनीकी समाधानों का मूल्यांकन, योजना बनाना, खरीदना, क्रियान्वित करना और समय आने पर उन्हें सेवा से हटाना। • मौजूदा एप्लिकेशनों में समस्याओं को हल करना और समय पर समाधान प्रदान करना। • कोड की समीक्षा में भाग लेना और टीम के सदस्यों को रचनात्मक प्रतिक्रिया देना। • सॉफ़्टवेयर डिवेलपमेंट के उभरते रुझानों और तकनीकों से अपडेट रहना और उनके उपयोग से एप्लिकेशनों की गुणवत्ता व प्रदर्शन को बेहतर बनाना। • कोड की विश्वसनीयता और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने हेतु यूनिट टेस्ट लिखना और उन्हें निष्पादित करना। • डेटा को संग्रहित करने, पुनः प्राप्त करने और संशोधित करने हेतु डेटाबेस और डेटा स्ट्रक्चर के साथ कार्य करना। • पर्यवेक्षक द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। **2) आईटी सुरक्षा प्रबंधन:** • व्यापारिक लाभ हेतु सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का लाभ उठाना। • सुचारु परिचालन हेतु सिस्टम एवं प्रक्रियाओं का निर्माण करना। • उपयुक्त तकनीकी समाधानों का मूल्यांकन, योजना बनाना, खरीदना, क्रियान्वित करना और समय आने पर उन्हें सेवा से हटाना। • संबंधित अनुबंधों का प्रबंधन। • अनुपालन और गवर्नेंस सुनिश्चित करना।

	3) नेटवर्क एवं संप्रेषण : • व्यापारिक लाभ हेतु सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का लाभ उठाना। • सुचारु परिचालन हेतु सिस्टम एवं प्रक्रियाओं का निर्माण करना। • उपयुक्त तकनीकी समाधानों का मूल्यांकन, योजना बनाना, खरीदना, क्रियान्वित करना और समय आने पर उन्हें सेवा से हटाना। • संबंधित अनुबंधों का प्रबंधन। • अनुपालन और सुनिश्चित करना।

	आधारभूत संरचना एवं भंडारण प्रशासक (डीसी और डीआर): आधारभूत संरचना प्रबंधन: सर्वर, स्टोरेज सिस्टम, नेटवर्किंग डिवाइस और वर्चुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म जैसे आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर घटकों को डिजाइन, तैनात, कॉन्फ़िगर और बनाए रखना। प्रणाली प्रशासक: इंस्टॉलेशन, कॉन्फ़िगरेशन, पैच मैनेजमेंट, परफॉर्मेंस ट्यूनिंग और समस्या निवारण सहित ऑपरेटिंग सिस्टम को मैनेज करना। क्लाउड प्रशासक: क्लाउड संसाधनों का प्रावधान और प्रबंधन करना, क्लाउड वातावरण में वर्चुअल मशीन, स्टोरेज, नेटवर्किंग और सुरक्षा समूहों को कॉन्फ़िगर करना। सुरक्षा प्रबंधन: इंफ्रास्ट्रक्चर परिसंपत्तियों और डेटा की सुरक्षा के लिए सुरक्षा नीतियों और नियंत्रणों को लागू करना। सुरक्षा आकलन, ऑडिट और सुधार गतिविधियाँ संचालित करना। भंडारण प्रशासन: इष्टतम प्रदर्शन, उपलब्धता और मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए एसएएन, एनएएस और स्टोरेज एरे सहित स्टोरेज सिस्टम का प्रावधान, कॉन्फ़िगर और प्रबंधन करना। स्टोरेज की ज़रूरतों का अनुमान लगाने और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए स्टोरेज उपयोग, प्रदर्शन मेट्रिक्स और क्षमता नियोजन की निगरानी करना। बैकअप और रिकवरी: महत्वपूर्ण डेटा की सुरक्षा और डेटा की अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बैकअप और रिकवरी समाधान डिज़ाइन बनाना, कार्यान्वित करना और बनाए रखना। पूर्ण, वृद्धिशील और विभेदक बैकअप सहित नियमित बैकअप करना और डेटा पुनर्प्राप्ति को मान्य करने के लिए बैकअप और रिकवरी प्रक्रियाओं का परीक्षण करना। आपदा रिकवरी योजना: डेटा हानि, सिस्टम विफलताओं या आपदाओं की स्थिति में व्यवसाय निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आपदा रिकवरी योजनाओं और प्रक्रियाओं को विकसित करना और बनाए रखना। डाउनटाइम और

	डेटा हानि को कम करने के लिए प्रतिकृति, विफलता और पुनर्प्राप्ति रणनीतियों को लागू करना। डेटा डुप्लीकेशन और संपीड़न: भंडारण उपयोग को अनुकूलित करना, भंडारण लागत को कम करना और बैकअप प्रदर्शन में सुधार करने के लिए डेटा डुप्लीकेशन और संपीड़न तकनीकों को लागू करना। निगरानी और चेतावनी: बुनियादी ढांचे के स्वास्थ्य, प्रदर्शन और उपलब्धता की निगरानी के लिए निगरानी उपकरण स्थापित करना। महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए अलर्ट और सिस्टम एँ कॉन्फ़िगर करना। दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्टिंग: बुनियादी ढांचे के विन्यास, प्रक्रियाओं और नीतियों का दस्तावेज़ीकरण करना। बुनियादी ढांचे/ भंडारण प्रदर्शन, घटनाओं और अनुपालन पर रिपोर्ट तैयार करना। सहयोग और संचार: बुनियादी ढांचा सेवाओं के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए अन्य सिस्टम प्रौद्योगिकी टीमों, हितधारकों और विक्रेताओं के साथ मिलकर काम करना। **डेटाबेस प्रशासक** डेटाबेस स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन: संगतता और अधिकतम प्रदर्शन सुनिश्चित करते हुए डेटाबेस सॉफ़्टवेयर और संबंधित उपकरणों को स्थापित, कॉन्फ़िगर और अपग्रेड करना। डेटाबेस मॉनिटरिंग एवं रखरखाव: डेटाबेस स्वास्थ्य, प्रदर्शन और क्षमता उपयोग की निगरानी करना। डेटाबेस बैकअप, पैचिंग और ऑप्टिमाइज़ेशन जैसे नियमित रखरखाव कार्य करना। डेटाबेस सुरक्षा प्रबंधन: डेटाबेस परिसंपत्तियों और डेटा की सुरक्षा के लिए सुरक्षा नीतियों और नियंत्रणों को लागू करना। उपयोगकर्ता पहुँच, अनुमतियाँ और एन्क्रिप्शन कुंजियाँ प्रबंधित करना। डेटाबेस बैकअप और रिकवरी: डेटा सुरक्षा और आपदा रिकवरी क्षमताओं को सुनिश्चित करने के लिए बैकअप और रिकवरी प्रक्रियाएं स्थापित करना। बैकअप और रिकवरी प्रक्रियाओं का नियमित रूप से परीक्षण करना। डेटाबेस प्रदर्शन ट्यूनिंग: डेटाबेस प्रदर्शन मेट्रिक्स का विश्लेषण करना, बाधाओं की पहचान करना और बेहतर प्रदर्शन के लिए डेटाबेस कॉन्फ़िगरेशन, एसक्यूएल क्वेरीज़ और इंडेक्सिंग रणनीतियों को अनुकूल बनाना। डेटाबेस डिज़ाइन और अनुकूलन: कुशल डेटाबेस स्कीम, डेटा मॉडल और इंडेक्सिंग रणनीतियों को डिज़ाइन करने के लिए एप्लिकेशन डेवलपर्स और डेटा आर्किटेक्ट्स के साथ सहयोग करना। मापनीय और प्रदर्शन के लिए डेटाबेस डिज़ाइन को अनुकूल बनाना। डेटाबेस प्रतिकृति और उच्च उपलब्धता: सिस्टम विफलताओं और डाउनटाइम के खिलाफ उच्च उपलब्धता और लचीलापन प्राप्त करने के लिए डेटाबेस प्रतिकृति, क्लस्टरिंग और फेलओवर तंत्र को लागू करना। डेटाबेस माइग्रेशन और अपग्रेड: स्कीम परिवर्तन, डेटा माइग्रेशन और संस्करण अपग्रेड सहित डेटाबेस माइग्रेशन परियोजनाओं की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना, ताकि परिचालन में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित हो सके। समस्या निवारण और घटना प्रतिक्रिया: डेटाबेस से संबंधित समस्याओं का निदान और समाधान, जैसे प्रदर्शन

	समस्याएं, डेटा भ्रष्टाचार और कनेक्टिविटी समस्याएं। **प्रणाली प्रशासक (प्रौद्योगिकी):** कंटेनर प्रशासन: कंटेनर संसाधनों की व्यवस्था और प्रबंधन, कंटेनर अनुकूल वातावरण में भंडारण और नेटवर्किंग सहित कंटेनरों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करना। परिचालन प्रणाली प्रबंधन: लिनक्स वितरण (उदाहरण के लिए, उबंटू, सेंटोस, रेड हैट, अल्मालिनक्स) और विंडोज सर्वर सहित विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम का प्रबंधन करना, कंटेनर अनुकूल एप्लीकेशनों के साथ अधिकतम प्रदर्शन और संगतता सुनिश्चित करना। डेवसेक्ऑप्स कार्यान्वयन: सॉफ्टवेयर विकास प्रक्रिया में सुरक्षा को एकीकृत करने के लिए डेवसेक्ऑप्स प्रथाओं को डिजाइन, कार्यान्वित और बनाए रखना, कंटेनर अनुकूल सुरक्षित वातावरण और अनुपालन सुनिश्चित करना। अपाचे काफ्का क्लस्टर नियोजन: वास्तविक समय डेटा स्ट्रीमिंग और प्रोसेसिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए ब्रोकर्स, विषय, विभाजन और प्रतिकृति सहित अपाचे काफ्का क्लस्टर्स को नियोजित और प्रबंधित करना। इलास्टिकसर्च क्लस्टर कॉन्फ़िगरेशन: बड़े पैमाने के डेटा सेटों के लिए कुशल खोज और विश्लेषण प्रदान करने के लिए नोड्स, इंडेक्स, शार्ड और प्रतिकृतियों सहित इलास्टिकसर्च क्लस्टर कॉन्फ़िगर करना। एपीआई प्रबंधन प्लेटफ़ॉर्म व्यवस्था: कंटेनर अनुकूल वातावरण में स्थापित एपीआई और माइक्रोसर्विसेस को प्रबंधित और सुरक्षित करने के लिए डब्ल्यूएसओ2, मयूलसॉफ्ट या कोंग जैसे एपीआई प्रबंधन प्लेटफ़ॉर्म को स्थापित, कॉन्फ़िगर और प्रशासित करना। हाइपरलेजर फैब्रिक नेटवर्क नियोजन: कंटेनर अनुकूल वातावरण में ब्लॉकचेन-आधारित विकेन्द्रीकृत एप्लीकेशनों (डीएपी) को सुविधाजनक बनाने के लिए साथियों, ऑर्डर प्रदाता और प्रमाणपत्र प्राधिकारियों (सीए) सहित हाइपरलेजर फैब्रिक नेटवर्क को नियोजित और कॉन्फ़िगर करना। नेटवर्किंग प्रबंधन: कंटेनर अनुकूल वातावरण में सुरक्षित और विश्वसनीय संचार सुनिश्चित करने के लिए टीसीपी/ आईपी, डीएनएस, डीएचसीपी, एचटीटीपी/ एचटीटीपीएस, एसएसएल/ टीएलएस, लोड संतुलन और फायरवॉल जैसी नेटवर्किंग अवधारणाओं को समझना और प्रबंधित करना। कंटेनर अनुकूल प्रौद्योगिकियां: हल्के, पोर्टेबल कंटेनरों में एप्लीकेशनों का पैकेज बनाने और तैनात करने के लिए डॉकर जैसी कंटेनर अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना और कंटेनर प्रबंधन और स्केलिंग को स्वचालित करने के लिए कुबेरनेट्स जैसे कंटेनर ऑर्केस्ट्रेशन प्लेटफार्मों का उपयोग करना। कुबेरनेट्स प्रबंधन: कंटेनरीकृत कार्यभार को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित और स्वचालित करने के लिए कुबेरनेट्स वास्तुकला, घटकों और अवधारणाओं जैसे कि पॉड्स, परिनियोजन, सेवाओं और प्रवेश नियंत्रकों का प्रबंधन करना।

	स्क्रिप्टिंग और स्वचालन: कंटेनर व्यवस्था, नियोजन और रखरखाव से संबंधित नियमित कार्यों और प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिए बैश, पावरशेल जैसी स्क्रिप्टिंग भाषाओं का कुशलतापूर्वक उपयोग करना, जिससे परिचालन दक्षता और माप योग्यता सुनिश्चित हो सके। अनुपालन और लेखापरीक्षा: वेब सर्वर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और पहुंच से संबंधित विनियामक आवश्यकताओं, उद्योग मानकों और संगठनात्मक नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करना। **प्रणाली प्रशासक (पैच प्रबंधन, सक्रिय निर्देशिका, ओपनएलडीएपी, मैसेजिंग):** पैच प्रबंधन: ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्लीकेशनों के लिए सुरक्षा पैच और अपडेट की समय पर तैनाती सुनिश्चित करने के लिए पैच प्रबंधन नीतियों, प्रक्रियाओं और अनुसूचियों को विकसित और लागू करना। सिस्टम प्रौद्योगिकी सिस्टम, सर्वर और एंडपॉइंट में पैच अनुपालन का आकलन, तैनाती और निगरानी करने के लिए पैच प्रबंधन टूल का उपयोग करना। सक्रिय निर्देशिका व्यवस्थापन: उपयोगकर्ता और समूह खाता प्रबंधन, संगठनात्मक यूनिट (ओयू) संरचना और समूह नीति ऑब्जेक्ट (जीपीओ) कॉन्फ़िगरेशन करने सहित सक्रिय निर्देशिका डोमेन, फ़ॉरेस्ट और ट्रस्ट प्रबंधित करना। प्रमाणीकरण समस्याओं, प्रतिकृति त्रुटियों और समूह नीति संघर्षों जैसे सक्रिय निर्देशिका-संबंधित समस्याओं का निवारण और समाधान करना। ओपनएलडीएपी प्रबंधन: लिनक्स/ यूनिक्स वातावरण में केंद्रीकृत उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण, प्राधिकरण और निर्देशिका सिस्टम भंडारण के लिए ओपनएलडीएपी निर्देशिका सेवाओं को कॉन्फ़िगर करना और बनाए रखना। ओपनएलडीएपी वातावरण में निर्देशिका स्कीम, एक्सेस नियंत्रण और प्रतिकृति तंत्र को लागू और प्रबंधित करना। मैसेजिंग सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन: मेलबॉक्स प्रबंधन, ईमेल रूटिंग और संदेश ट्रैकिंग सहित माइक्रोसॉफ्ट एक्सचेंज सर्वर या एक्सचेंज ऑनलाइन जैसे मैसेजिंग सिस्टम को प्रशासित करें। ईमेल-आधारित खतरों से बचाने के लिए एंटी-स्पैम फ़िल्टर, मैलवेयर सुरक्षा और ईमेल एन्क्रिप्शन जैसी ईमेल सुरक्षा सुविधाएँ कॉन्फ़िगर करना। सिस्टम निगरानी और निष्पादन ट्यूनिंग: निष्पादन समस्याओं, बाधाओं और सिस्टम खामियों की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए सिस्टम निष्पादन, संसाधन उपयोग और इवेंट लॉग की निगरानी करना। बेहतर निष्पादनऔर विश्वसनीयता के लिए सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन, सर्वर सेटिंग और संसाधन आवंटन को अनुकूल बनाना। बैकअप और आपदा रिकवरी: डेटा, एप्लिकेशन और सिस्टम को नुकसान या भ्रष्टाचार से बचाने के लिए बैकअप और आपदा रिकवरी समाधानों को लागू करना और बनाए रखना। आपदाओं या आउटेज के मामले में डेटा रिकवरी और व्यवसाय को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से बैकअप और रिकवरी प्रक्रियाओं का परीक्षण करना। सुरक्षा और अनुपालन: सिस्टम प्रौद्योगिकी सिस्टम और डेटा परिसंपत्तियों को अनधिकृत पहुँच, डेटा उल्लंघनों और अनुपालन उल्लंघनों से बचाने के लिए सुरक्षा नीतियों, पहुँच नियंत्रणों और अनुपालन उपायों को लागू करना। सुरक्षा कमज़ोरियों और जोखिमों की पहचान करना और उन्हें दूर करने के लिए सुरक्षा आकलन, लेखापरीक्षा और

	स्वचालित स्कैन करना। दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्टिंग: सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन, नेटवर्क डॉयग्रामों, प्रक्रियाओं और सिस्टम व्यवस्थापन कार्यों से संबंधित नीतियों का दस्तावेज़ीकरण बनाए रखना। सिस्टम प्रदर्शन, पैच अनुपालन, सुरक्षा घटनाओं पर रिपोर्ट तैयार करना।
सूचना प्रणाली अधिकारी – साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ	**अनुभव:** • साइबर सुरक्षा क्षेत्र में कम से कम 5 वर्षों के अनुभव सहित न्यूनतम 12 वर्ष का सिस्टम प्रौद्योगिकी अनुभव। • नेटवर्क प्रोटोकॉल, फ़ाइल प्रारूपों और सॉफ्टवेयर संचार तंत्र की व्यापक समझ। • एवी बचाव तकनीकों और परीक्षण उपकरणों के इस्तेमाल का अनुभव। • नित नए खतरों, एमसिस्टम प्रौद्योगिकी आरई एटीटीएंडसीके ढांचे और घटना प्रतिक्रिया पद्धतियों का ज्ञान। • उत्कृष्ट अंतर-समूह सहयोग और पारस्परिक कौशल। • मजबूत विश्लेषणात्मक कौशल और जटिल डेटा को स्पष्ट और सार्थक तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता। • साइबर सुरक्षा स्टार्ट-अप के साथ काम करने का अनुभव वांछनीय है। **कार्य भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:** 1. खतरे की निगरानी और विश्लेषण: • वैश्विक स्तर पर उभरते खतरों की निगरानी और विश्लेषण करना, तथा संगठन की साइबर सुरक्षा पर उनके संभावित प्रभाव का आकलन करना। • महत्वपूर्ण खतरों, कमजोरियों और प्रवृत्तियों पर समय पर अलर्ट और रिपोर्ट प्रदान करना। 2. समाधान पहचान और मूल्यांकन: • उभरते खतरों को कम करने के उद्देश्य से नए साइबर सुरक्षा समाधानों और उत्पादों पर अनुसंधान और मूल्यांकन करना। • यह मूल्यांकन करना कि ये उपकरण कितने प्रभावी हैं और क्या ये संगठन की सुरक्षा प्रणाली में जोड़ने के लिए उपयुक्त हैं। 3. उद्योग सर्वोत्तम प्रथाओं का कार्यान्वयन: • संगठन की साइबर सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं में उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना। 4. कार्यान्वयन मार्गदर्शन:

	• चयनित साइबर सुरक्षा समाधानों और उत्पादों के कार्यान्वयन के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना। • सुरक्षा उपायों का उचित विन्यास और क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम प्रौद्योगिकी टीमों के साथ सहयोग करना। 5. साइबर सुरक्षा स्टार्ट-अप की जानकारी: • साइबर सुरक्षा स्टार्ट-अप्स और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों के बारे में जागरूकता बनाए रखना। • नवीन समाधानों और संभावित रणनीतिक साझेदारियों की पहचान करने के लिए स्टार्ट-अप परिदृश्य के ज्ञान का उपयोग करना। 6. सहयोग और संप्रेषण : • संगठनात्मक लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ साइबर सुरक्षा पहलों का तालमेल सुनिश्चित करने के लिए क्रॉस-फ़ंक्शनल टीमों के साथ सहयोग करना। • जटिल साइबर सुरक्षा अवधारणाओं और सिफारिशों को बताने के लिए हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना। 7. घटना प्रतिक्रिया और प्रबंधन: • घटना प्रतिक्रिया योजनाओं और प्रक्रियाओं को विकसित करने और बनाए रखने में सहायता करना। • जांच, नियंत्रण और बहाली प्रयासों सहित घटना प्रतिक्रिया गतिविधियों में भाग लेना।
विधि अधिकारी- मानव संसाधन (एफटीसी)	**अनुभव:** उम्मीदवार के पास प्रैक्टिसिंग एडवोकेट के रूप में कम से कम 2 साल का संबन्धित अनुभव होना चाहिए या किसी प्रतिष्ठित विधि फर्म या किसी कंपनी के विधि विभाग में 2 साल का कार्य अनुभव होना चाहिए। प्रैक्टिसिंग एडवोकेट के लिए, उक्त अनुभव को बार काउंसिल में पंजीकरण के उपरांत एलएलबी की योग्यता के बाद गिना जाएगा। संबन्धित अनुभव अधिमानतः व्याख्या से संबंधित विधिक मुद्दों पर सलाह देने या कानूनी रणनीति तैयार करने, मुकदमेबाजी के मामलों को संभालने, औद्योगिक विवादों, सुलह, समझौतों/अनुबंधों का मसौदा तैयार करने, न्यायालय के समक्ष दाखिल करने के लिए दलीलों का मसौदा तैयार करने, वकील को जानकारी देने आदि से संबंधित होना चाहिए। इसमें विभिन्न श्रम कानूनों, भारतीय अनुबंध अधिनियम आदि को पर्याप्त रूप से शामिल किया जाना चाहिए। श्रम कानूनों, औद्योगिक विवादों, विभागीय पूछताछ से निपटने में प्रासंगिक अनुभव वांछित है। उम्मीदवारों के पास हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उत्कृष्ट लिखित/मौखिक सम्प्रेषण कौशल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को कंप्यूटर का ज्ञान होना चाहिए तथा एमएस-वर्ड और पावरपॉइंट का भी अच्छा

	ज्ञान होना चाहिए। **नोट:** उम्मीदवारों को उस संगठन से अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है जिसमें वे कार्यरत हैं/थे। प्रैक्टिसिंग एडवोकेट के मामले में, प्रमाण पत्र राज्य बार काउंसिल या वरिष्ठ अधिवक्ता या लॉ फर्म से होना चाहिए, साथ ही बार काउंसिल के साथ नामांकन प्रमाण पत्र की एक प्रति भी होनी चाहिए। बार काउंसिल के साथ पंजीकरण की तिथि और/या रोजगार में शामिल होने की तिथि से केवल पूर्णकालिक कार्य अनुभव पर विचार किया जाएगा, जैसा भी लागू हो। एलएलबी पाठ्यक्रम (या किसी अन्य पूर्णकालिक अध्ययन) की निरंतरता के दौरान इंटर्नशिप को अनुभव के रूप में नहीं माना जाएगा। **मुख्य भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ (नौकरी की ज़िम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल होंगी परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं):** • कानूनी मामलों/औद्योगिक विवादों को प्रभावी ढंग से संभालना, दलीलों और समझौतों का मसौदा तैयार करना और उन्हें अंतिम रूप देना • घरेलू जाँच प्रक्रिया को संभालना और उसकी निगरानी करना। • स्थानीय/मानव संसाधन के साथ समन्वय में गैर-अनुपालन नोटिसों के उत्तरों का मसौदा तैयार करना • सभी न्यायालय मामलों का डेटाबेस प्रबंधन, एमआईएस रिपोर्ट आदि तैयार करना • अनुपालन मामलों पर संबन्धित अधिकारी / मानव संसाधन सहकर्मियों को मार्गदर्शन/स्पष्टीकरण/सलाह प्रदान करना • पर्यवेक्षक/वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सौंपे जाने पर अतिरिक्त जिम्मेदारी लेना

6. शॉर्टलिस्टिंग और चयन प्रक्रिया

क. चयन प्रक्रिया में विभिन्न शॉर्टलिस्टिंग और चयन उपकरण शामिल हो सकते हैं जैसे कंप्यूटर आधारित टेस्ट / लिखित परीक्षा / नेट स्कोर / टाइपिंग टेस्ट, ग्रुप टास्क / ग्रुप डिस्कशन, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, स्किल टेस्ट, पर्सनल इंटरव्यू, मूट कोर्ट (केवल विधि अधिकारीयोंहेतु), शारीरिक फिटनेस दक्षता परीक्षा (यदि लागू हो) आदि जो पद की आवश्यकता के आधार पर प्रशासित किए जाएंगे।

ख. कंप्यूटर आधारित परीक्षा (जहां भी लागू हो) में वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे (विधि अधिकारियों के लिए व्यक्तिपरक भी) और इसके दो भाग होंगे।

i. **सामान्य योग्यता** जिसमें अंग्रेजी भाषा, मात्रात्मक योग्यता परीक्षण और बौद्धिक क्षमता परीक्षण (तार्किक तर्क और डेटा व्याख्या) शामिल है।

ii. **तकनीकी/ व्यावसायिक ज्ञान** जिसमें आवेदित पद के लिए आवश्यक योग्यता डिग्री/ शैक्षणिक पृष्ठभूमि से संबंधित प्रश्न शामिल होंगे।

ग. योग्यता एवं पूर्व निर्धारित अनुपात के आधार पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा (जहां भी लागू हो) उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को कुछ पदों के लिए सहायक दस्तावेज अपलोड करने की सलाह दी जाएगी।

घ. आवेदन की जांच, अपलोड किए गए दस्तावेजों और कंप्यूटर आधारित टेस्ट में श्रेणीवार और विषयवार मेरिट सूची के आधार पर, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को ग्रुप टास्क और/ या व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन भी किया जा सकता है।

ङ. आगे की चयन प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को प्रत्येक लागू चयन प्रक्रिया चरण अर्थात कंप्यूटर आधारित टेस्ट, समूह कार्य और व्यक्तिगत साक्षात्कार में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त करने होंगे।

च. सभी लागू चरणों में उत्तीर्ण होने वाले सभी उम्मीदवारों के लिए एक श्रेणी और विषय-वार मेरिट सूची तैयार की जाएगी। कंप्यूटर आधारित टेस्ट / लिखित परीक्षा / नेट स्कोर / टाइपिंग टेस्ट (जहां भी लागू हो) + ग्रुप टास्क + मूट कोर्ट (केवल विधि अधिकारीयों हेतु) + व्यक्तिगत और (या) तकनीकी साक्षात्कार + कार्य अनुभव (जहां भी लागू हो) तथा नियुक्ति का प्रस्ताव उपलब्ध श्रेणी और विषय-वार रिक्तियों के अनुसार होगा।

टिप्पणी: कंप्यूटर आधारित टेस्ट के लिए पाठ्यक्रम, शॉर्टलिस्टिंग पद्धति (यदि लागू हो), चयन प्रक्रिया से संबंधित विवरण चयन प्रक्रिया शुरू होने से पहले हमारी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

7. परिलब्धियाँ

वेतनमान*	अनुमानित कंपनी लागत (सीटीसी)
30000-120000	रु 10.63 लाख
40000-140000	रु 14.17 लाख
50000-160000	रु 17.72 लाख
60000-180000	रु 21.26 लाख
70000-200000	रु 25.65 लाख
80000-220000	रु 29.31 लाख
90000-240000	रु 34.05 लाख
100000-260000	रु 39.04 लाख
120000-280000	रु 48.28 लाख

*उम्मीदवार को न्यूनतम वेतनमान पर नियुक्त किया जाएगा।

टिप्पणी:- उल्लिखित सीटीसी की गणना वेतन श्रेणी के न्यूनतम आधार स्तर पर की गई है और इसमें मूल वेतन, सेवानिवृत्ति लाभ, महंगाई भत्ता, एचआरए और कैफेटेरिया भत्ता शामिल है। इसमें कार्य-निष्पादन संबंधित वेतन (अधिकतम परिकलित) भी शामिल है, जो कई कारकों पर निर्भर है और कॉर्पोरेशन की नीति के अनुसार देय है। कृपया यह नोट किया जाए कि सेवानिवृत्ति लाभ उस समय प्रचलित कॉर्पोरेशन की नीति के अनुसार पृथक्ककरण/ सेवानिवृत्ति पर स्वीकार्य हैं। सीटीसी मेट्रो शहरों में तैनात उम्मीदवारों के लिए है और अन्य स्थानों के लिए यह भिन्न हो सकता है।

8. सेवा बांड और प्रतिधारण राशि

सेवा बांड: चयनित उम्मीदवारों को कॉर्पोरेशन में शामिल होने की तारीख से तीन वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए कॉर्पोरेशन की सेवा करने के लिए प्रतिभू सहित एक सेवा बांड निष्पादित करना होगा:

वेतनमान (रु.)	बांड राशि	
	सामान्य	ईडब्ल्यूएस/ओबीसी(एनसी)/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी
30000-120000 ∝		
40000-140000 ∝		
50000-160000 ¥		
60000-180000 ¥	रु 3,00,000/-	रु 50,000/-
70000-200000 ¥		
80000-220000 ¥		
90000-240000 ¥		

प्रतिधारण राशि:

∝: परिवीक्षा अवधि के दौरान पहले 12 महीनों के लिए कुल परिलब्धियों से 5000/- रुपये प्रति माह प्रतिधारण राशि के रूप में काटे जाएंगे

¥: परिवीक्षा अवधि के दौरान पहले 12 महीनों के लिए कुल परिलब्धियों से 8000/- रुपये प्रति माह प्रतिधारण राशि के रूप में काटे जाएंगे

काटी गई उपरोक्त प्रतिधारण राशि 3 वर्ष के बाद बिना ब्याज के जारी की जाएगी।

9. रोजगार-पूर्व चिकित्सा परीक्षा

उपर्युक्त पदों पर नियुक्ति इस शर्त पर होगी कि उम्मीदवार कंपनी द्वारा पद के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार चिकित्सकीय रूप से फिट है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एचपीसीएल द्वारा नामित/ पैनल अस्पतालों में अपनी रोजगार-पूर्व चिकित्सा जांच करवानी होगी। पद 2.2 और 2.3 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त रूप से शारीरिक स्वास्थ्य दक्षता परीक्षा (पीएफईटी) उत्तीर्ण करनी होगी - जिसमें पीईएमई के बाद ऊंचाई पर कार्य करने की

परीक्षा, सहनशक्ति परीक्षा और चपलता परीक्षा शामिल होगी। एचपीसीएल के मुख्य चिकित्सा सलाहकार द्वारा मेडिकल फिटनेस पर लिया गया निर्णय अंतिम और उम्मीदवार के लिए बाध्यकारी होगा। चिकित्सा जांच के लिए रेफरेंस का अर्थ अंतिम चयन नहीं है।

रोजगार-पूर्व चिकित्सा जांच के मानक एचपीसीएल कॉर्पोरेट वेबसाइट (www.hindustanpetroleum.com/careers) पर उपलब्ध हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले सुनिश्चित करें कि वे एचपीसीएल के रोजगार-पूर्व चिकित्सा जांच मानकों के अनुसार चिकित्सकीय रूप से फिट हैं।

10. प्लेसमेंट / तैनाती

देश में किसी भी स्थान पर कॉर्पोरेशन के किसी भी एसबीयू/ प्रभाग/ विभाग में तैनाती/ असाइनमेंट हो सकता है और इसके बाद सेवाएं देश में किसी भी स्थान पर कॉर्पोरेशन की आवश्यकता के अनुसार स्थानांतरणीय होंगी। इन पदों में शिफ्ट ड्यूटी में काम करना शामिल हो सकता है। चयनित उम्मीदवारों को भारत या विदेश में भारत सरकार के किसी सहायक/ संयुक्त उद्यम या किसी भी विभाग में तैनात किया जा सकता है/ कार्यभार सौंपा जा सकता है।

11. परिवीक्षा

चयनित अधिकारी कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूरी होने पर, अधिकारी को कंपनी की नीति के अनुसार स्थायीकरण के लिए विचार किया जाएगा।

12. आरक्षण, रियायतें और छूट

क. अ.जा., अ.ज.जा., ओबीसीएनसी, ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूबीडी (बेंचमार्क दिव्यांगजन-दिव्यांगता की डिग्री 40% या उससे अधिक) के लिए पदों का आरक्षण सरकारी निर्देशों के अनुसार है। आरक्षण सांविधिक दिशा-निर्देशों और आर.के. सभरवाल बनाम पंजाब राज्य मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने दिनांक 02.07.1997 के कार्यालय ज्ञापन सं.36012/2/96-स्था.(आरक्षण) के माध्यम से रिक्ति आधारित रोस्टर को पद आधारित रोस्टर से बदल दिया। नीचे दिए गए आरक्षण को मौजूदा श्रेणीवार कैडर शक्ति, संबंधित श्रेणियों में अधिकता/ कमी और विज्ञापित रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए माना गया है।

श्रेणी-वार रिक्ति वितरण नीचे दिया गया है।

वेतनमान (रु.)	अ.जा.	अ.ज.जा.	ओबीसीएनसी	ईडब्ल्यूएस	यूआर
30000-120000	14	7	25	9	39
50000-160000	36	22	40	21	95
60000-180000	5	3	9	3	15
80000-220000	1	0	1	1	1

120000-280000	1	0	1	0	2

एफटीसी के लिए श्रेणी-वार रिक्ति वितरण नीचे दिया गया है:

एफटीसी पद	अ.जा.	अ.ज.जा.	ओबीसीएनसी	ईडब्ल्यूएस	यूआर
सूचना प्रणाली अधिकारी	3	1	0	2	4
सूचना प्रणाली सुरक्षा अधिकारी-साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ (एफटीसी)	0	0	0	0	1
विधि अधिकारी – मानव संसाधन	0	0	0	0	2

टिप्पणी: क्रम सं. 3.1, 3.8 and 3.9 8 में अधिसूचित पदों के लिए, पद की उपयुक्तता के आधार पर, उम्मीदवारों को अधिसूचित वेतनमान में से किसी एक में शामिल किया जा सकता है और कैडर क्षमता के आधार पर उस ग्रेड में लागू आरक्षण लागू किया जाएगा।

ख. अ.जा./ अ.ज.जा./ ओबीसीएनसी/ ईडब्ल्यूएस के रूप में आरक्षण चाहने वाले उम्मीदवारों को भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए नामित प्राधिकारी से निर्धारित प्रोफार्मा (प्रारूप केवल एचपीसीएल वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है) में एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें स्पष्ट रूप से उम्मीदवार की जाति दर्शाई गई हो, अधिनियम/ आदेश जिसके तहत जाति को अ.जा./ अ.ज.जा./ ओबीसी एनसी के रूप में मान्यता दी गई है और उम्मीदवार आम तौर पर जिस गांव/ नगर का निवासी है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी जाति/ समुदाय का नाम और उनकी जाति/ समुदाय प्रमाण-पत्र में इसकी वर्तनी ठीक वैसी ही होनी चाहिए, जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित सूचियों में उल्लिखित है (ओबीसीएनसी श्रेणी के लिए भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सूची में ओबीसी जातियों के रूप में मान्यता-प्राप्त जातियों की सूची http://www.ncbc.nic.in साइट पर उपलब्ध है, अनुसूचित जनजाति श्रेणी के लिए प्रत्येक राज्य के लिए जातियों की सूची www.ncst.nic.in साइट पर उपलब्ध है और अनुसूचित जाति के लिए प्रत्येक राज्य के लिए जातियों की सूची http://www.socialjustice.nic.in साइट पर उपलब्ध है)। जाति के नाम में किसी भी भिन्नता वाले प्रमाण-पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, ओबीसी प्रमाण-पत्र में यह भी स्पष्ट रूप से इंगित होना चाहिए कि उम्मीदवार केंद्र सरकार के तहत पदों और सेवाओं के लिए आवेदन करने के लिए भारत सरकार द्वारा परिभाषित क्रीमी लेयर से संबंधित नहीं है।

ग. किसी उम्मीदवार का ओबीसी दावा उस राज्य (या राज्य के हिस्से) के संबंध में निर्धारित किया जाएगा जिससे उसके पिता मूल रूप से संबंधित हैं। कोई उम्मीदवार जो एक राज्य (या राज्य के हिस्से) से दूसरे राज्य में स्थानांतरित हो गया है, इसलिए, उसे एक ओबीसी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जो उसे उसके पिता के ओबीसी प्रमाण-पत्र के आधार पर उस राज्य से जारी किया जाना चाहिए जहां वह (पिता) मूल रूप से संबंधित है।

घ. कोई व्यक्ति जो पीडब्ल्यूबीडी आरक्षण के छूट मानकों का लाभ उठाना चाहता है, उसे आरपीडब्ल्यूबीडी अधिनियम, 2016 में निर्धारित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, अधिसिस्टम सं.:38-16/2020-डीडी-III–दिनांक 04/01/2021 के अनुसार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा पदों/ विषयों की सूची जिसमें पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार इस भर्ती अभियान के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं, रिक्तियों के विरुद्ध दी गई है। इन रिक्तियों में नियुक्ति का प्रस्ताव पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों को कार्य, स्थान, जोखिम, तनाव और अन्य तथ्यों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की प्रकृति पर विचार करने के बाद किया जाएगा, यह भी विचार किया जाएगा कि स्थिति द्वारा उम्मीदवार की उचित दक्षता और स्वास्थ्य की संभावित गिरावट के बिना पद के कर्तव्यों के निष्पादन को प्रभावित करने की संभावना नहीं है। अंतिम नियुक्ति चिह्नित पद के जॉब प्रोफाइल के संबंध में उम्मीदवार की चिकित्सा योग्यता पर आधारित होगी।

ड. ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए, आय और संपत्ति प्रमाण पत्र वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वैध होगा और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय और संपत्ति सत्यापन के आधार पर तैयार किया जाना चाहिए। उपर्युक्त प्रमाण-पत्र में जाति का नाम स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। जाति का नाम जैसे "जनरल/ सामान्य आदि" पर्याप्त नहीं होगा। प्रमाण-पत्र पर आवेदक की तस्वीर विधिवत चिपकाई जानी चाहिए, जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और मुहर लगी होनी चाहिए। ऐसे उम्मीदवारों द्वारा साक्षात्कार के समय (यदि साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है) 'आय और संपत्ति प्रमाण-पत्र' प्रस्तुत किया जाएगा। 'आय और संपत्ति प्रमाण पत्र' प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के बाद कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार साक्षात्कार में यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, उन्हें सामान्य श्रेणी के तहत साक्षात्कार के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

च. अ.जा. और अ.ज.जा. के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष, ओबीसीएनसी के लिए 3 वर्ष, पीडब्ल्यूबीडी (यूआर) के लिए 10 वर्ष, पीडब्ल्यूबीडी (ओबीसीएनसी) के लिए 13 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी (अ.जा./अ.ज.जा.) उम्मीदवारों के लिए 15 वर्ष की छूट है।

छ. 01.01.1980 और 31.12.1989 के बीच जम्मू और कश्मीर में अधिवासित उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी गई है।

ज. सशस्त्र बलों में न्यूनतम 5 वर्ष की सेवा प्रदान करने और भारत सरकार द्वारा निर्धारित अन्य शर्तों को पूरा करने के अधीन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशंड अधिकारियों (ईसीओ/ एसएससीओ सहित) के लिए अधिकतम आयु में 5 वर्ष की छूट लागू है। {संदर्भ: कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का दिनांक 8 अप्रैल 2013 का कार्यालय ज्ञापन संख्या 36034/2/2013-स्था.(आरक्षण)}

झ. आवेदकों की अधिकतम आयु सभी संभावित आयु छूटों सहित 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

ञ. ओबीसी उम्मीदवार जो “क्रीमी लेयर” से संबंधित हैं, वे ओबीसीएनसी उम्मीदवारों को स्वीकार्य रियायत के लिए पात्र नहीं हैं और ऐसे उम्मीदवारों को अपनी श्रेणी अनारक्षित (यूआर) के रूप में दर्शानी होगी।

ट. इसके अलावा, ओबीसीएनसी उम्मीदवारों को डीओपीटी के दिनांक 08.09.1993 के ज्ञापन सं. 36012/22/93-विस्तार (एससीटी) के अनुसार व्यक्तिगत साक्षात्कार के समय एक स्व-वचनपत्र, यदि कहा जाता है, देना होगा जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि वे ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर से संबंधित हैं।

ठ. अ.जा., अ.ज.जा., ओबीसीएनसी, पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए मूल्यांकन/ चयन, कंप्यूटर आधारित टेस्ट, ग्रुप टास्क, व्यक्तिगत साक्षात्कार और कुल मिलाकर (टेस्ट, ग्रुप टास्क और व्यक्तिगत साक्षात्कार, जो भी लागू हो) में छूट वाले मानक लागू होंगे।

ड. यदि अ.जा./ अ.ज.जा./ ओबीसी-एनसी/ पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण-पत्र अंग्रेजी/ हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा में जारी किया गया है, तो उम्मीदवारों को अंग्रेजी या हिंदी में स्वयं प्रमाणित अनुवादित प्रति जमा करनी होगी।

ढ. एक बार ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद श्रेणी (यूआर/ ईडब्ल्यूएस/ अ.जा./ अ.ज.जा./ ओबीसीएनसी/ पीडब्ल्यूबीडी) में परिवर्तन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा और तदनुसार लागू रियायत/ छूट को बढ़ाया नहीं जाएगा। अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय श्रेणी का उल्लेख अत्यंत सावधानी से करें।

ण. इसके अलावा, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की दिनांक 29/07/2015 की अधिसिस्टम सं.:16-15/2010 डीडी.111 के अनुसार, पदों/ विषयों की सूची, जिसमें पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार इस भर्ती अभियान के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं, नीचे दी गई है।

पद	दिव्यांगजन पात्रता
कार्यकारी सहायक	बी. एलवी. डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. बीएल. ओएएल. बीएलओए. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एमडीवाई. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
मैकेनिकल इंजीनियर / कनिष्ठ कार्यकारी – मैकेनिकल	एलवी.डी. एचएच. ओए. बीए.ओएल. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एएसडी (एम). एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
इलेक्ट्रिकल इंजीनियर	डी. एचएच. ओएल. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)

सिविल इंजीनियर/ कनिष्ठ कार्यकारी - सिविल	एलवी.डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. बीएल. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
केमिकल इंजीनियर	एचएच. ओए. ओएल. सीपी. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
विधि अधिकारी / विधि अधिकारी–मा.सं.(एफटीसी)	एलवी. एचएच. ओए. बीए. बी. बीएलओए. बीएलए. ओएल. बीएल. ओएएल. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडीवाई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
मानव संसाधन	बी. एलवी. डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. ओएएल. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एमडीवाई. एएसडी(एम). एसएलडी. एमआई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
राजभाषा कार्यान्वयन	बी. एलवी. डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. बीएल. ओएएल. बीएलओए. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एमडी. एसएलडी. एमआई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
औद्योगिक इंजीनियर	डी. एचएच. ओए. ओएल. बीएल. ओएएल. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
चार्टर्ड अकाउंटेंट	बी. एलवी. डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. बीएल. ओएएल. बीएलओए. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एमडीवाई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
सीजीडी परिचालन और रखरखाव/परियोजनाएं	एचएच. ओए. ओएल. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
गैर-ईंधन व्यवसाय/बिक्री/ पेट्रोकेमिकल प्रबंधक-बिक्री	एलवी. डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
पेट्रोकेमिकल्स (प्रबंधक-तकनीकी/उप महाप्रबंधक-तकनीकी सेवा/ उप महाप्रबंधक - कैटलिस्ट व्यवसाय विकास/पॉलिमर विशेषज्ञ प्रमुख/महाप्रबंधक-व्यवसाय विकास प्रमुख)	एचएच. ओए. ओएल. सीपी. डीडब्ल्यू. एएवी. एसएलडी. एमआई. एमडी (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)
सूचना प्रणाली अधिकारी (एफटीसी)/ सूचना प्रणाली सुरक्षा अधिकारी- साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ (एफटीसी)	डी. एचएच. ओए. बीए. ओएल. ओएएल. सीपी. एलसी. डीडब्ल्यू. एएवी. बीएल. एएसडी(एम). एसएलडी. एमआई. एमडी. (उपर्युक्त संयोजनों में से कोई भी)

संक्षिप्त रूप: बी=दृष्टिहीन, डी=बधिर, एलवी=कम दृष्टि, एचएच=सुनने में कठिनाई, ओए=एक हाथ, ओएल=एक पैर, बीए=दोनों हाथ, बीएल=दोनों पैर, ओएएल=एक हाथ और एक पैर, बीएलओए=दोनों पैर और एक हाथ, बीएलए=दोनों पैर और हाथ, सीपी=मस्तिष्क पक्षाघात, एलसी= उपचारित कुष्ठ रोग, डीडब्ल्यू=बौनापन, एएवी=एसिड हमला पीड़ित, एएसडी(एम)=ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एम=हल्का, एमओडी=मध्यम), एसएलडी=विशिष्ट सीखने की अक्षमता, एमआई=मानसिक बीमारी, एमडीवाई =मांसपेशियों की दुर्बलता, एमडी=एकाधिक दिव्यांगता ।

त. इंजीनियरिंग पदों के लिए **(क्र. सं. 2.5 से 2.8):** जिन प्रशिक्षुओं ने एचपीसीएल में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, उन्हें भर्ती मानदंडों में छूट दी जाएगी। ऐसी छूट दो चरणों में दी जाएगी अर्थात (i) उम्मीदवार (स्नातक प्रशिक्षु) की पात्रता की गणना करते समय आयु में छूट (अधिकतम 1 वर्ष तक) उस अवधि की सीमा तक जिसके लिए संबंधित आवेदक स्नातक प्रशिक्षु ने एचपीसीएल की किसी भी स्थापना में स्नातक प्रशिक्षुता प्रशिक्षण लिया था, जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी और (ii) कुल सीबीटी अंकों का अतिरिक्त 5%, जो प्रशिक्षु कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) में हासिल करता है, और चयन के बाद के चरण के लिए उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग के उद्देश्य से सीबीटी परीक्षा में उम्मीदवारों द्वारा हासिल किए गए अंकों के साथ ऐसे रियायतीअंकों की गणना करता है।

13. आवेदन प्रक्रिया

क. फ्रेशर्स पदों के लिए **1 जून 2025 को 0900 बजे से 30 जून 2025 को 2359 बजे तक** और **अनुभवी पदों के लिए 15 जुलाई 2025 को 2359 बजे तक** ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

ख. उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे विस्तृत विज्ञापन पढ़ने के बाद केवल www.hindustanpetroleum.com करियर → करंट ओपनिंग्स पर ऑनलाइन आवेदन करें। आवेदन का कोई अन्य माध्यम/ तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ग. अधूरे/ गलत विवरण वाले या निर्धारित प्रारूप में न भरे गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

घ. ऑनलाइन आवेदन में दिया गया ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर कम से कम एक वर्ष तक वैध रहना चाहिए। उम्मीदवारों को अपने नाम से बनाए गए उचित ई-मेल आईडी का उपयोग करना चाहिए। छद्म/ नकली ई-मेल आईडी वाले आवेदनों पर कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

ङ. ऑनलाइन फॉर्म में दिए गए सभी विवरण अंतिम माने जाएंगे और उनमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

च. किसी भी कारण से आवेदन शुल्क के साथ अधूरा आवेदन जमा करने की स्थिति में, उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आवेदन शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। इस पर आगे कोई पत्राचार/ विचार नहीं किया जाएगा।

छ. उम्मीदवारों को एचपीसीएल द्वारा सलाह के अनुसार निर्धारित समय के भीतर शॉर्टलिस्टिंग/ चयन प्रक्रिया के दौरान पात्रता के दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। आवेदन-पत्र में दिए गए डेटा से नाम, योग्यता, अन्य मानदंडों के दस्तावेजों में कोई भी विसंगति किसी भी स्तर पर अयोग्यता का कारण बन सकती है।

ज. विभिन्न पदों के लिए सीबीटी/ साक्षात्कार एक ही दिन/ सभी पदों के लिए अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जा सकते हैं।

झ. सीबीटी/ साक्षात्कार के लिए स्थान/ तारीख में परिवर्तन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

14. आवेदन शुल्क

क. आवेदन शुल्क सभी पदों पर लागू है।

ख. अ.जा., अ.ज.जा. और पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है।

ग. यूआर, ओबीसीएनसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को ₹1180/- + भुगतान गेटवे शुल्क यदि कोई हो, की अप्रतिदेय राशि (आवेदन शुल्क ₹1000/- + जीएसटी @18% अर्थात् ₹180/- + भुगतान गेटवे शुल्क, यदि लागू हो) का भुगतान करना होगा ।

घ. भुगतान का प्रकार: डेबिट/ क्रेडिट कार्ड/ यूपीआई/ नेट बैंकिंग: ऑनलाइन आवेदन शुल्क का भुगतान करने पर, शुल्क की सफल प्राप्ति पर भुगतान की स्थिति स्वचालित रूप से "आपका लेनदेन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है" में दिखाई देगी।

ङ. सभी उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि भुगतान की स्थिति "पूर्ण" है क्योंकि किसी अन्य भुगतान स्थिति के मामले में लेनदेन को "अधूरा" माना जाएगा। एक बार भुगतान हो जाने के बाद, उम्मीदवारों को भुगतान की रसीद का प्रिंट लेना होगा और भविष्य के संदर्भ के लिए इसे संभाल कर रखना होगा।

च. ऊपर उल्लिखित के अलावा भुगतान का कोई अन्य तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा।

छ. एक बार भुगतान किया गया आवेदन शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। साथ ही, चार्जबैक का दावा किसी भी कारण से नहीं किया जा सकता है।

ज. भुगतान किया जा रहा शुल्क केवल आवेदन जमा करने के लिए है और यह किसी भी तरह से साक्षात्कार हेतु कॉल लेटर आदि जारी किए जाने की गारंटी नहीं देता है।

15. सामान्य अनुदेश

क. केवल भारतीय नागरिक ही आवेदन करने के पात्र हैं।

ख. आयु/ प्रासंगिक अनुभव आवश्यकता/ योग्यता की सभी गणना ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि अर्थात् **फ्रेशर्स पदों के लिए 30 जून 2025 और अनुभवी पदों के लिए 15 जुलाई 2025।**

ग. मेल के विषय को "पद का नाम - आवेदन संख्या" के रूप में प्रारूपित रखते हुए प्रश्नों को careers@hpcl.in पर ई-मेल किया जा सकता है।

घ. सभी योग्यताएं एआईसीटीई अनुमोदित/ यूजीसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय/ मानित विश्वविद्यालय से पूर्णकालिक नियमित पाठ्यक्रम होने चाहिए। स्वायत्त संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू/ यूजीसी/ एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित/ मान्यता-प्राप्त प्रासंगिक पाठ्यक्रमों

के समकक्ष होने चाहिए। *एकीकृत एम.टेक. और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थी भी न्यूनतम पात्रता मानदंड पूरा करने के अधीन आवेदन करने के पात्र हैं।*

ङ. जहां-कहीं भी योग्यता डिग्री में सीजीपीए/ ओजीपीए या लेटर ग्रेड प्रदान किया जाता है, विश्वविद्यालय/ संस्थान द्वारा अपनाए गए मानदंडों के अनुसार अंकों के समकक्ष प्रतिशत को आवेदन-पत्र में दर्शाया जाना चाहिए। कृपया विश्वविद्यालय/ संस्थान से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा जो साक्षात्कार के समय आवश्यक होगा।

च. किसी शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण एवं अनुसंधान अनुभव को संबंधित कार्य अनुभव नहीं माना जाएगा।

छ. चयनित आवेदक की उम्मीदवारी अनंतिम होगी और प्रमाणपत्र/ प्रशंसापत्र, चिकित्सा योग्यता आदि के बाद के सत्यापन के अधीन होगी।

ज. उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से यह घोषित करना होगा (यदि उन्हें बाद के चरणों के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है) कि उन्हें गिरफ्तार किया गया है, उन पर मुकदमा चलाया गया है, उन्हें हिरासत में रखा गया है या जुर्माना लगाया गया है, किसी भी अपराध के लिए कानून की अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया है, किसी भी लोक सेवा आयोग द्वारा उनकी परीक्षा में बैठने से वंचित/ अयोग्य घोषित किया गया है। सीबीटी में केवल शॉर्टलिस्ट होने से साक्षात्कार का अधिकार नहीं मिलता है और कॉर्पोरेशन को उनके प्रत्यय-पत्रों/ घोषणाओं के आधार पर उपयुक्त उम्मीदवारों को बुलाने का अधिकार सुरक्षित है।

झ. **ऑनलाइन फॉर्म में उल्लिखित सभी विवरण अंतिम माने जाएंगे और बाद में किसी भी बदलाव के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित क्षेत्रों में सही प्रविष्टियाँ भरते हुए ऑनलाइन फॉर्म को अत्यंत सावधानी से भरें। एक बार प्रस्तुत किए गए आवेदन को बाद में किसी भी संपादन/परिवर्तन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।**

ञ. चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति प्रस्ताव में उल्लिखित तिथि को संगठन में कार्यभार ग्रहण करना होगा, अन्यथा संगठन को उम्मीदवारों से किसी भी पत्राचार/ संदर्भ के बिना नियुक्ति प्रस्ताव को रद्द/ वापस लेने का अधिकार होगा।

ट. कंप्यूटर आधारित परीक्षा, समूह कार्य और/या साक्षात्कार के लिए प्रवेश-पत्र आदि की हार्ड कॉपी अभ्यर्थियों को नहीं भेजी जाएगी। अभ्यर्थियों को एचपीसीएल की वेबसाइट से इसे डाउनलोड करना होगा।

ठ. रिक्तियों की कुल संख्या और आरक्षित रिक्तियां अनंतिम हैं और कॉर्पोरेशन की व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर ये बढ़/ घट सकती है। एचपीसीएल को चयन के किसी भी चरण में विज्ञापित किसी भी पद या सभी पदों को न भरने का अधिकार सुरक्षित होगा।

ड. सभी उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे हमारी वेबसाइट www.hindustanpetroleum.com पर जाकर चयन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर अपडेट रहें। उम्मीदवार कृपया नोट करें कि भर्ती अभियान के दौरान एचपीसीएल के

किसी भी अधिकारी से व्यक्तिगत कॉल और/ या बातचीत करने की सलाह नहीं दी जाती है, सिवाय जब बहुत ज़रूरी/महत्वपूर्ण हो।

ढ. एचपीसीएल अमान्य/ गलत ई-मेल आईडी या संपर्क नंबर के कारण भेजे गए ई-मेल या किसी अन्य पत्राचार के खो जाने/ नहीं पहुंचने के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर बदलने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

ण. एचपीसीएल को उस क्षेत्र/ केंद्र में प्रतिक्रिया के आधार पर किसी भी परीक्षा केंद्र/व्यक्तिगत साक्षात्कार केंद्र को रद्द करने या जोड़ने का अधिकार होगा।

त. कॉर्पोरेशन बिना किसी पूर्व सिस्टम के तथा बिना कोई कारण बताए इसके अंतर्गत भर्ती/ चयन प्रक्रिया को रद्द/ प्रतिबंधित करने/ घटाने/ बढ़ाने का अधिकार भी सुरक्षित होगा।

थ. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे केवल एक ही आवेदन जमा करें। यदि किसी उम्मीदवार द्वारा एक से अधिक आवेदन प्रस्तुत किए जाते हैं, तो सबसे बाद वाले आवेदन को अंतिम माना जाएगा तथा पहले के आवेदनों को बिना किसी सिस्टम के अस्वीकार/रद्द कर दिया जाएगा।

द. वर्तमान में सरकारी विभागों/ पीएसयू/ सरकार के स्वामित्व वाली स्वायत्त संस्थाओं में कार्यरत उम्मीदवारों को उचित प्रक्रिया के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें समूह कार्य और व्यक्तिगत साक्षात्कार के समय मूल हार्ड कॉपी में अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर उन्हें समूह कार्य और व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उनकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।

ध. उम्मीदवारों (अंतिम वर्ष के डिग्री छात्रों को छोड़कर) के पास आवेदन के समय सभी लागू डिग्री प्रमाणपत्र और मार्कशीट होनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। जिन पदों के लिए अनुभव अनिवार्य है, उनके लिए विज्ञापन के अनुसार योग्यता डिग्री पूरी करने के बाद प्रासंगिक कार्य अनुभव की गणना की जाएगी।

न. अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, नियुक्ति इस अधिसिस्टम के अनुसार पात्रता मानदंड को पूरा करने के अधीन होगी।

प. सभी आवेदकों को पद की अपेक्षित आवश्यकताओं और विज्ञापन में निर्धारित अन्य शर्तों को पूरा करना होगा। उन्हें आवेदन करने से पहले खुद को संतुष्ट करने की सलाह दी जाती है। पात्रता के बारे में सलाह मांगने वाली किसी भी जांच पर विचार नहीं किया जाएगा।

फ. उम्मीदवारों को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन आवेदन करें तथा शुल्क जमा करने के लिए अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा न करें, ताकि इंटरनेट पर अत्यधिक लोड या वेबसाइट जाम

होने के कारण वेबसाइट पर लॉग ऑन करने में कनेक्शन कटने/ असमर्थता/ विफलता की संभावना से बचा जा सके।

ब. पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट के लिए स्लीपर क्लास रेल किराया और साक्षात्कार में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों के लिए सबसे छोटे मार्ग से बाहरी स्थानों के लिए तृतीय क्लास एसी के किराए की प्रतिपूर्ति की जाएगी, बशर्ते यात्रा की गई दूरी 30 कि.मी. से कम न हो। डाक पते से निकटतम केंद्र के अलावा अन्य परीक्षा केंद्र का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों को यात्रा किराया प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी। उम्मीदवारों को एचपीसीएल की वेबसाइट पर विस्तृत रूप से यात्रा भत्ता (टीए) फॉर्म भरना होगा और यात्रा के लिए यात्रा प्रमाण के साथ इसे जमा/अपलोड करना होगा। यात्रा भत्ता ऑनलाइन मोड से प्रोसेस किया जाएगा। यह प्रतिपूर्ति उन उम्मीदवारों को नहीं की जाएगी जो पहले से ही केंद्र/ राज्य सरकार की सेवाओं/ पीएसयू में कार्यरत हैं।

भ. अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में व्याख्या के कारण किसी भी अस्पष्टता या विवाद की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

गलत/ झूठी जानकारी देने या किसी भी तथ्य को छिपाने को अयोग्यता माना जाएगा और एचपीसीएल ऐसी गलत/झूठी जानकारी देने के किसी भी परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। चूंकि सभी आवेदनों की दस्तावेजी साक्ष्य के बिना जांच की जाएगी। अतः उम्मीदवारों को स्वयं को उस पद की पात्रता पूरी करने के लिए संतुष्ट करना होगा जिसके लिए वे आवेदन कर रहे हैं। यदि भर्ती और चयन प्रक्रिया के दौरान किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि उम्मीदवार ने गलत या झूठी जानकारी दी है या वह पात्रता के किसी भी मापदंड के संबंध में अयोग्य पाया जाता है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। यदि पात्रता मापदंडों के संबंध में उपर्युक्त विसंगतियों में से कोई भी, गलत/ झूठी जानकारी देने और या किसी भी तथ्य को छिपाने का पता नियुक्ति के बाद भी चलता है, तो उसकी सेवाएं बिना किसी और नोटिस के तुरंत समाप्त की जा सकती हैं। भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण के दौरान किसी भी रूप में प्रचार करने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। किसी भी विवाद के लिए न्यायक्षेत्र मुम्बई होगा।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि सभी आवेदन केवल हमारे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वीकार किए जाते हैं और एचपीसीएल द्वारा किसी भी एजेंसी/ व्यक्ति को आउटसोर्स नहीं किया जाता है। आवेदकों को ऐसी धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

कोई भी अन्य शुद्धिपत्र/ परिशिष्ट केवल हमारी वेबसाइट www.hindustanpetroleum.com पर अपलोड किया जाएगा।